শর্মা হার্ডওয়ের
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 194 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वक्फ विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट रास में पेश, विपक्ष ने किया वॉकआउट — पेज 2
ऑपरेशन प्रघात : एसटीएफ ने किए आतंकवादी गिरफ्तार — पेज 3
केजरीवाल ने पानी में जहर मिलाने की बात कह कर अपना नुकसान किया : नायब सैनी — पेज 5
राष्ट्री खेल टेबल टेनिस : युगल मुकाबलों में हाराष्ट्र और तमिलनाडु का दबदबा — पेज 7

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है। राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद राज्यपाल अजय भल्ला ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश की। बता दें कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा के चलते बीरेन सिंह की लगातार आलोचना हो रही थी। जिसके बाद उन्होंने पिछले सप्ताह अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी अधिसूचना में बताया गया है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है। अधिसूचना में कहा गया है, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मणिपुर राज्य के राज्यपाल से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है। रिपोर्ट तथा मुझे प्राप्त अन्य जानकारी पर विचार करने के बाद मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें उस राज्य की सरकार भारत के संविधान (जिसे आगे संविधान कहा जाएगा) के प्रावधानों के अनुसार नहीं चलाई जा सकती है। इससे पहले संबित पात्रा के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर के लिए गेम चेंजर है एडवांटेज असम 2.0

गुवाहाटी। गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चहल-पहल आगामी एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 को लेकर उत्सुकता का प्रमाण है। 25 और 26 फरवरी को होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अरबपति कारोबारी नेता और वैश्विक उद्योग जगत के दिग्गजों सहित दुनिया की कुछ सबसे प्रभावशाली हस्तियां एक साथ आएंगी। यह शिखर सम्मेलन वैश्विक निवेश परिदृश्य में असम की महत्वाकांक्षी छलांग को दर्शाता है, जिसका मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने जोश के साथ समर्थन किया है। मुंबई, दिल्ली, थिम्पू, सियोल, टोक्यो और ओसाका जैसे शहरों में 15,000 किलोमीटर से अधिक की उनकी व्यापक यात्राएं, असम के आर्थिक

प्रक्षेपवक्र को फिर से परिभाषित करने वाले निवेश को सुरक्षित करने के उनके दृढ़ संकल्प को रेखांकित करती हैं। असम के लिए शर्मा का विजन स्पष्ट है: 12 बिलियन डॉलर की इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश योजना और 4 बिलियन डॉलर के निजी निवेश के -शेष पृष्ठ दो पर

नॉर्थ-ईस्ट में 2,054 स्टार्टअप हैं, असम सबसे आगे : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को बताया कि असम के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र में अब कम से कम 2,054 स्टार्टअप हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि असम में 1,487 स्टार्टअप हैं, मणिपुर में 179 और त्रिपुरा में 141 स्टार्टअप हैं। इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर विकास -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भारत के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री : एमओटीएन सर्वेक्षण

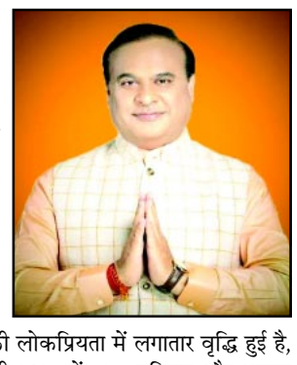

गुवाहाटी। फरवरी 2025 में एक प्रमुख प्रकाशन समूह द्वारा किए गए नवीनतम मूड ऑफ द नेशन (एमओटीएन) सर्वेक्षण के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भारत के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री के रूप में स्थान दिया गया है। 55.4 प्रतिशत की प्रभावशाली संतुष्टि रेटिंग के साथ, शर्मा ने अपने कई समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है, जिससे उनके मजबूत सार्वजनिक जनादेश और शासन की उत्कृष्टता को बल मिला है। पिछले दो वर्षों में उनकी लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हुई है, अगस्त 2024 में 50.8 प्रतिशत, फरवरी 2024 में 48.6 प्रतिशत और अगस्त 2023 में 49.2 प्रतिशत की संतुष्टि रेटिंग के साथ। -शेष पृष्ठ दो पर

असम : एचएस फाइनल की परीक्षाएं शुरू तीन लाख से अधिक परीक्षार्थी हुए शामिल

गुवाहाटी (हि.स.)। इस साल की उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं गुरुवार से शुरू हो गई हैं। यह परीक्षा राज्य के 856 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित हो रही हैं। यह पहली बार है कि सबसे अधिक संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए हैं। इस वर्ष 3,06,925 अभ्यर्थी उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में बैठे। इनमें से 1,44,502 छात्र हैं जबकि 1,62,523 छात्राएं हैं। वहीं अमुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार से शुरू हुई उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं के परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आशा करता हूं कि सभी छात्र-छात्राएं परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मन शांत रखें और पूरी मेहनत से प्रयास करें। परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है, जब तक जीना, तब तक सीखना यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

- **आचार्य चाणक्य**

पीएम मोदी ने अमेरिका की नई इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से की मुलाकात

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी फ्रांस यात्रा के बाद 12 फरवरी को वाशिंगटन डीसी पहुंचने के बाद, अमेरिकी इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। पीएम मोदी का वाशिंगटन पहुंचने पर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत हुआ, जिसके बाद वह अपने ठहरने के स्थान ब्लेअर हाउस पहुंचे। यहां भी प्रवासी भारतीयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। लेकिन उनके दौरे की शुरुआत अमेरिकी इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से मुलाकात से हुई। यह मुलाकात खास थी क्योंकि तुलसी गबार्ड की नियुक्ति हाल ही में सीनेट द्वारा की गई है, और वह अब अमेरिका की 18 इंटेलिजेंस एजेंसियों की प्रमुख बन गई हैं। तुलसी गबार्ड की नियुक्ति से पहले उनका भारतीय नाम से मिलता-जुलता नाम सुनकर कई लोग भ्रमित हो सकते हैं। हालांकि, तुलसी गबार्ड भारतीय मूल की नहीं हैं, बल्कि उनका नाम हिंदू धर्म के प्रति उनके परिवार के आस्थापूर्वक जुड़ाव के कारण रखा गया था। तुलसी के -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई पर रक्षा संबंधी सवाल उठाने का आरोप लगाया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सांसद ने ब्रिटिश नागरिक से शादी करने के बाद संसद में संवेदनशील रक्षा मामलों पर सवाल उठाए। गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया, उन्हें *झूठे आरोप* कहा और जवाब में कहा कि भाजपा अगले साल होने वाले असम विधानसभा चुनावों से पहले *बदनाम करने का अभियान* चला रही है। शर्मा की यह टिप्पणी भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया द्वारा गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान की आईएसआई से संबंध होने का आरोप लगाने के एक दिन बाद आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में शर्मा ने आरोप लगाया कि 2015 में भारत में पाकिस्तानी उच्चायुक्त अब्दुल बासित ने पहली बार सांसद बने एक व्यक्ति और उनके स्टार्टअप पॉलिसी फॉर यूथ को नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। गोगोई का नाम लिए बिना शर्मा ने सवाल किया कि विशेष रूप से, यह सांसद उस समय विदेश मामलों की संसदीय समिति का सदस्य नहीं था, जिससे उनकी नियुक्ति के पीछे की मंशा पर सवाल उठते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे दावा किया कि यह बैठक आंतरिक मामलों में पाकिस्तानी उच्चायोग के हस्तक्षेप, विशेष रूप से हुर्रियत कांफ्रेंस के साथ उसकी संलिप्तता के खिलाफ भारत के आधिकारिक विरोध के बावजूद हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी 24 को आएंगे असम

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी असम दौरे का भव्य स्वागत करने की तैयारी की है। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने प्रधानमंत्री के आगामी दौरे का औपचारिक रूप से स्वागत किया है। आज जारी एक बयान -शेष पृष्ठ दो पर

दलाई लामा को मिली जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने गुरुवार को खुफिया जानकारी के आधार पर तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। इंटेलिजेंस ब्यूरो द्वारा मिली खतरे की रिपोर्ट के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था को अपग्रेड किया गया है। अब 89 वर्षीय दलाई लामा की सुरक्षा में कुल 33 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसमें उनके आवास पर सशस्त्र स्टेटिक गार्ड, चौबीसों -शेष पृष्ठ दो पर

भागवत की सभा को बंगाल में अनुमति नहीं, हाई कोर्ट पहुंचा संघ

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बंगाल इकाई ने गुरुवार को कलकत्ता हाई कोर्ट की एकल पीठ का दरवाजा खटखटाया और 16 फरवरी को पूर्व बर्धमान जिले में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सभा के लिए पुलिस द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने को चुनौती दी। जिला पुलिस ने इस आधार पर अनुमति देने से इन्कार कर दिया कि चूंकि बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) द्वारा आयोजित माध्यमिक परीक्षाएं (10वीं) चल रही हैं। इसलिए इस दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। जिला पुलिस ने अनुमति देने से इनकार करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस प्रमुख के प्रस्तावित -शेष पृष्ठ दो पर

बजट सत्र : लोकसभा में पहले चरण की कार्यवाही संपन्न, अगली बैठक 10 मार्च को

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के पहले चरण की कार्यवाही सोमवार को संपन्न हो गई और अब सदन की अगली बैठक 10 मार्च को होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में कामकाज पर खुशी जताते हुए कहा कि कार्य उत्पादकता लगभग 112 प्रतिशत रही। अदाणी समूह से संबंधित एक खबर को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के कारण गुरुवार को सदन की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे शुरू हुई। कार्यवाही शुरू होने पर सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच वक्फ संशोधन विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति की रिपोर्ट पेश की गई और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विधेयक, 2025 प्रस्तुत किया। वक्फ विधेयक संबंधी समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने रिपोर्ट पेश की और इस पर विरोध दर्ज कराते हुए विपक्ष के सदस्यों ने सदन से वाकआउट किया। -शेष पृष्ठ दो पर

वित्त मंत्री ने लोस में पेश किया नया आयकर विधेयक-2025

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में बहुप्रतीक्षित नया आयकर विधेयक-2025 पेश कर दिया। नए आयकर विधयेक को सलेक्ट कमेटी के पास भेज दिया गया है। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 10 मार्च सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने लोकसभा में नया आयकर विधेयक-2025 को पेश करते हुए कहा कि हम आयकर धाराओं की संख्या घटाकर 536 कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयकर विधेयक में अध्यायों की संख्या में कमी के साथ-साथ महत्वपूर्ण बदलाव -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ संशोधन विधेयक, यूसीसी और वर्शिप एक्ट के विरोध में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड चलाएगा देशव्यापी आंदोलन

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संशोधन विधेयक, समान नागरिक संहिता और पूजा स्थल कानून को लेकर देशव्यापी आंदोलन चलाने की घोषणा की है। बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा है कि अगर सरकार संसद से वक्फ संशोधन विधेयक को पास करने का प्रयास करती है तो हमारे पास सड़कों पर आकर इसका विरोध करने के अलावा कोई संवैधानिक रास्ता नहीं बचता है। उनका कहना है कि वक्फ संशोधन विधेयक को देश का मुस्लिम समाज पूरी तरह से नकार चुका है और यह विधेयक हमें किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। मौलाना ने कहा कि हमने वक्फ संशोधन विधेयक का हर स्तर पर विरोध किया है। संयुक्त संसदीय समिति में भी हमने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर अपनी चिताओं से उन्हें अवगत कराया था और करोड़ों मुसलमान के हस्ताक्षर वाले मेमोरेंडम जेपीसी को भेजे गए थे। मगर जेपीसी ने हमारी बातों को दरकिनार -शेष पृष्ठ दो पर

कांगो में बर्बरता : जेल में बंद महिला कैदियों को रेप के बाद जिंदा जलाया

ब्राज्जाविल्ले। सेंट्रल अफ्रीका के देश कांगो में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। विद्रोही गुट हिंसा और बर्बरता पर उतारू हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट के अनुसार, एम23 विद्रोहियों ने गोमा शहर की मुंजेंजे जेल पर हमला किया और सैकड़ों महिला कैदियों के साथ सामूहिक बलात्कार किया, फिर उन्हें जिंदा जला दिया। इस हमले के दौरान 150 से अधिक कैदी जेल तोड़कर भाग निकले। गोमा शहर पर पिछले हफ्ते विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था, जिसके बाद जेल में आग लगा दी गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में कई महिलाओं को जिंदा जला दिया गया, जिनमें से केवल 9 ही बच सकीं। रिपोर्ट के मुताबिक कांगो में हालात भयावह हैं। गोमा शहर में भारी हिंसा, लूटपाट और बर्बर हत्याएं हो रही हैं। विस्थापन शिविरों पर बमबारी की गई और महिलाओं के साथ गैंगरेप जैसी वीभत्स घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जिंदा जलाई गई कैदियों में से सिर्फ 9 ही जीवित बच पाईं। पिछले सप्ताह रवांडा समर्थित विद्रोही गुटों ने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

AFFIDAVIT

I, ARMY NO.- 15223155X , NK CHANDAN NEWAR, S/O- Jit Bahadur Newar and Pratibha Newar, village- Singri Bangali, P-O- Singri, Dist-Sonitpur Assam hereby declare at Tezpur Notary that the actual and correct date of birth of my father is 16.08.1961 and actual and correct date of birth of my mother is 11.09.1962. But in my service record wherein my father's date of birth is recorded 04.05.1958 instead of 11.08.1961 and my mother's date of birth has been recorded as 11.09.1947 instead of 11.09.1962 and also my mother's name has been recorded as Prativa Newar instead of Pratibha Newar.

वक्फ विधेयक पर जेपीसी की रिपोर्ट रास में पेश, विपक्ष ने किया वॉकआउट

नई दिल्ली (हि.स.)। वक्फ संशोधन विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट गुरुवार को राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट को भाजपा सदस्य मेधा कुलकर्णी ने पेश किया। इस दौरान विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। रिपोर्ट में असहमति वाली टिप्पणियों को शामिल नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। जेपीसी रिपोर्ट सदन में पेश होने के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि रिपोर्ट में असहमति वाली टिप्पणियों को इसमें से हटा दिया गया है। खड़गे ने इसे निंदनीय और अलोकतांत्रिक बताते हुए सदन के सभापति से रिपोर्ट को खारिज करने और इसे वापस भेजने का आग्रह किया। जेपीसी रिपोर्ट को वापस भेजने की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। कर्नाटक से कांग्रेस के सदस्य सैयद नासिर हुसैन ने कहा कि रिपोर्ट से उनके असहमति नोट हटा दिए गए हैं। जेपीसी सदस्यों के बीच कोई चर्चा नहीं हुई। खड़गे के दावों का विरोध करते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि असहमति वाले नोट रिपोर्ट के परिशिष्ट में शामिल हैं। उन्होंने विपक्ष पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से कोई कटौती या निष्कासन नहीं किया गया है। विपक्ष एक अनावश्यक मुद्दा बना रहा है। वक्फ विधेयक में क्या बदलाव हैं? विधेयक में कुछ प्रमुख बदलाव शामिल हैं, जैसे राज्य वक्फ बोर्डों में कम से कम दो गैर-मुस्लिम सदस्य होना और यह तय करने के लिए एक सरकारी अधिकारी को शामिल करना कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या नहीं। वक्फ विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों के प्रबंधन के तरीके को बदलना है। ये बोर्ड मुस्लिम समुदाय द्वारा धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए दान की गई संपत्तियों की देखरेख के लिए जिम्मेदार है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस रिपोर्ट में किसी भी सदस्य की असहमति या किसी इनपुट को हटाया नहीं गया है। इस सदन में झूठ फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। संबंधित मंत्री ने सदन में स्पष्ट बयान दिया है। इस सदन को निष्क्रिय बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह बहस, संवाद, चर्चा, विचार-विमर्श का घर है। इस सदन द्वारा लिया गया निर्णय अंतत: बहस और विचार-विमर्श के आधार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप होगा। संसद में विपक्ष के हंगामे के बीच तीन सदस्य वेल तक पहुंच गए। इसको लेकर सभापति ने कहा कि यह गंभीर मामला है। इसमें उदारता दिखाने का मतलब संविधान के निर्माताओं का अनादर करना है। इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग देश को तोड़ने की साजिश कर रहे हैं। कुछ लोग भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे पाकिस्तान के पुजारी, 400 अस्थियों का करेंगे विसर्जन

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में दुनियाभर से श्रद्धालु आ रहे हैं। अब तक 48 करोड़ से अधिक लोग संगम में डुबकी लगा चुके हैं, जिसमें यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान से भी लोग शामिल हैं। पाकिस्तान के कराची से पंचमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी रामनाथ मिश्रा भी अपनी परिवार के साथ महाकुंभ में पहुंचे हैं। वह 400 हिंदू और सिखों की अस्थियों को विसर्जन के लिए लेकर आए हैं। रामनाथ मिश्रा ने बताया कि वह संगम का जल लेकर दिल्ली जाएंगे, जहां 21 फरवरी को निगम बोध घाट पर अस्थि कलशों का पूजन करेंगे। इसके बाद, हरिद्वार तक रथ यात्रा निकाली जाएगी और 22 फरवरी को सती घाट पर अस्थियों का विसर्जन किया जाएगा। मिश्रा ने यह भी बताया कि उनके परिवार ने कराची में पंचमुखी हनुमान मंदिर को बचाने के लिए काफी संघर्ष किया था। उन्होंने 9 साल में 400 अस्थि कलश इकट्ठे किए हैं और अब उनका उद्देश्य इन अस्थियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन करना है। वह नाथ संप्रदाय से जुड़े हैं और उन्होंने भारत सरकार से पाकिस्तान के लोगों के लिए वीजा नियमों में ढील देने की अपील भी की है।

पूसीरे तीर्थयात्रियों के भीड़ की सुविधार्थ और चलाएगा स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। महाकुंभ मेला, 2025 के दौरान तीर्थयात्रियों की अपेक्षित भारी भीड़ से निपटने के लिए, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने जोगबनी और टूंडला स्टेशन के बीच दो और जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। स्पेशल ट्रेन प्रत्येक दिशा में एक ट्रिप के लिए संचालित होंगी। यह उन भक्तों और आगंतुकों को सुविधा प्रदान करेगा, जो महाकुंभ में जाना चाहते हैं। इसके अलावा, कटिहार और मनिहारी के बीच एक जोड़ी माघी पूर्णिमा स्पेशल ट्रेन दैनिक आधार पर दोनों दिशाओं में शुरू की गई है। यह सेवा 21 फरवरी तक जारी रहेगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि स्पेशल ट्रेन संख्या 05718 (जोगबनी - टूंडला) 14 फरवरी, 2025 (शुक्रवार) को जोगबनी से 18-40 बजे रवाना होगी और अगले दिन टूंडला 19-00 बजे पहुंचेगी।

कैथोलिक सूबे की जमीन से मिले सौ साल पुराने मंदिर के अवशेष

थिरुवनंतपुरम। केरल में पलाई के कैथोलिक सूबा के स्वामित्व वाली भूमि पर एक मंदिर के अवशेष पाए गए हैं, जिसके कारण चर्च ने हिंदू भक्तों को देवप्रस्नम - भगवान की इच्छा की व्याख्या करने के लिए किया जाने वाला एक ज्योतिषीय अनुष्ठान - करने की अनुमति दे दी है। स्थानीय हिंदू संगठनों के सदस्यों के साथ-साथ चर्च के अनुसार, पिछले सप्ताह शिव लिंग सहित अवशेष सतह पर तब आए जब टैपिओका की खेती के लिए 1.8 एकड़ भूमि की जुताई के लिए अर्थमूवर का उपयोग किया जा रहा था। यह भूमि पलाई के पास वेल्लप्पाडु में श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से 1 किमी दूर है। इस मंदिर के अधिकारी इस स्थल पर देवप्रसन्नम करने की योजना बना रहे हैं। 5 फरवरी को यह खोज तब सामने आई जब श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से लगभग 1 किमी दूर, पाला क्षेत्र के पास कोट्टायम जिले में वेल्लाप्पाडू के पास 1.8 एकड़ के भूखंड पर टैपिओका की खेती के लिए भूमि को काटने के लिए अर्थमूवर का उपयोग किया गया। स्थानीय लोगों और मंदिर के अधिकारियों का दावा है कि इस स्थल पर कभी एक मंदिर हुआ करता था, जिसके बारे में माना जाता है कि यह लगभग 200 साल पहले अस्तित्व में था। उनका आरोप है कि लगभग एक सदी पहले, मंदिर का एक आधार था जहां भक्त प्रार्थना करते थे, लेकिन समय के साथ, इसे छोड़ दिया गया और अंतत: गायब हो गया। चर्चा के बाद, सूबा और मंदिर अधिकारियों के प्रतिनिधियों ने स्थल के संबंध में अगले कदम तय करने के लिए देवप्रसन्नम आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की।

शातिर चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल एक शातिर चोर को चोरी की सामग्री समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बशिष्ठ थाना की एक ईजीपीडी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कमलपुर के अब्दुल बापकन अली (37) नामक एक शातिर चोर को पाटरकुची इलाके से गिरफ्तार किया। उसके आवास की तलाशी में चोरी की गई कई वस्तुएं बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने वेल्डिंग मशीन (वेरक्स), यूपीएस बैटरी, पावर बैंक (रेंज़), टूटा हुआ सोनी कैमरा, काला सीसीटीवी कैमरा, ब्रॉडबैंड बॉक्स (साइरा टेक) के अलावा पुलिस घर तोड़ने के उपकरण कटिंग डिश , वायर कटर, स्क्रू ड्राइवर, प्लस, बड़ा हथौड़ा, दाल रंग आदि बरामद किया है।

शिमलुगुरी कृषि विज्ञान केंद्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

नगांव (हिंस)। नागांव जिलांतर्गत शिमलुगुड़ी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आज वैज्ञानिक सलाहकार समिति की एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पिछले वर्ष में कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा उठाए गए कार्यक्रमों को उजागर करने, आने वाले दिनों में कौन से कार्यक्रम उठाए जाएंगे, भविष्य के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के विकास के लिए किस जिले को आगे बढ़ाया जाना चाहिए, पर सभी से सुझाव मांगने के लिए आयोजित की गई। डॉ. निरंजन डेका, प्रधान वैज्ञानिक और कृषि विज्ञान केंद्र नगांव के प्रमुख ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह बैठक हमारे कृषि विज्ञान केंद्र में हर साल आयोजित की जाती है। मैं आज की बैठक में सभी से सुझाव मांगता हूं। इस सुझाव के साथ, हम आने वाले दिनों में कार्रवाई करेंगे। बैठक में हिस्सा लेने वालों में मुख्य रूप से असम कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. मनोरंजन नेओग, कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) के सलाहकार डॉ. हेमेंद्र चंद्र भट्टाचार्य, डॉ. हिरण्य कुमार बारके, मुख्य वैज्ञानिक, मंडालिक अनुसंधान केंद्र, चिलंगनी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. हिरण्य कुमार बोरा आदि के साथ कृषि, मत्स्य पालन, पशुपालन, रेशम उत्पादन, सिंचाई, सार्वजनिक स्वास्थ्य तकनीकी विभाग, किसान उत्पादक कंपनी, किसान उत्पादक संगठन, बैंकों, नाबार्ड, प्रगतिशील किसानों में भाग लेते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में राष्ट्रपति...

मुलाकात की थी। 9 फरवरी को हिंसा से प्रभावित राज्य के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद नेतृत्व संकट पैदा हो गया है। राज्य विधानसभा के दो लगातार सत्रों के बीच अधिकतम छह महीने के अंतराल की समाप्ति पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि देखते हैं क्या होता है। इससे पहले आज मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और अर्धसैनिक बल के अधिकारियों ने आज ही राजभवन में बैठक की थी। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की तैनाती और परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। बयान में कहा गया कि मणिपुर और नगालैंड सेक्टर के निवर्तमान महानिरीक्षक (सीआरपीएफ) डॉ. विपुल कुमार और नवनियुक्त महानिरीक्षक राजेंद्र नारायण दाश ने राज्यपाल से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि अधिकारियों ने राज्यपाल को क्षेत्र में सीआरपीएफ की तैनाती और परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अगर चुनाव के बाद किसी पार्टी को बहुमत न मिला हो। जिस पार्टी को बहुमत मिला हो वह सरकार बनाने से इनकार कर दे और राज्यपाल को दूसरा कोई ऐसा दल नहीं मिले जो सरकार बनाने की स्थिति में हो। राज्य सरकार विधानसभा में हार के बाद इस्तीफा दे दे और दूसरे दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हो। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के संवैधानिक निर्देशों का पालन ना किया हो। कोई राज्य सरकार जान-बूझकर आंतरिक अशांति को बढ़ावा या जन्म दे रही हो। राज्य सरकार अपने संवैधानिक दायित्यों का निर्वाह नहीं कर रही हो।

पूर्वोत्तर के लिए ...

साथ इसे भारत के अग्रणी राज्य में बदलना। 2030 तक असम के जीडीएसपी को 143 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का उनका लक्ष्य न केवल महत्वाकांक्षी है, बल्कि राज्य की रणनीतिक स्थिति और आर्थिक क्षमता को देखते हुए प्राप्त करने योग्य भी है। मुंबई रोड शो में, उन्होंने असम के अनूठे लाभ पर प्रकाश डाला- दक्षिण पूर्व एशिया से इसकी निकटता, तीन घंटे की उड़ान के भीतर दुनिया की 30 प्रतिशत आबादी तक पहुंच प्रदान करना। ऐसी भौगोलिक स्थिति असम को एक आदर्श व्यापार और निवेश केंद्र बनाती है। इसके अतिरिक्त, जापान रोड शो में, उन्होंने आने वाले वर्षों में असम की अर्थव्यवस्था के तिगुने होने का अनुमान लगाया, जो 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय विकास दर का दावा करता है। ये विकास पूर्वोत्तर भारत के विकास को गति देने और इसे राष्ट्रीय मुख्यधारा में एकीकृत करने के पीएम मोदी के व्यापक दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं। शिखर सम्मेलन में बुनियादी ढांचे, इलेक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालक, एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोकार्बन, पर्यटन, खाद्य और पेय पदार्थ, और रसद सहित प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। असम के समृद्ध प्राकृतिक संसाधन निवेश गंतव्य के रूप में इसके आकर्षण को और बढ़ाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, डिगबोई ने 1889 में भारत के तेल उद्योग की शुरुआत को चिह्नित किया और आज, असम देश के कच्चे तेल का 14 प्रतिशत और इसके प्राकृतिक गैस उत्पादन का 10 प्रतिशत योगदान देता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जोर देकर कहा कि सरकार उत्पादन बढ़ाने के लिए पूंजीगत व्यय में 61,000 करोड़ रुपए लगाने की योजना बना रही है। सीएम शर्मा ने वैश्विक उदाहरणों का हवाला देते हुए क्षेत्र की हाइड्रोकार्बन क्षमता को अधिकतम करने की सक्रिय रूप से वकालत की है जहां ऊर्जा अन्वेषण ने आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया है। हाइड्रोकार्बन से परे, असम में निजी क्षेत्र की रुचि कई उद्योगों तक फैली हुई है। इसका एक प्रमुख उदाहरण टाटा समूह का जगीरोआ में सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा में 27,000 करोड़ रुपए का निवेश है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में घोषणा की कि 2026 तक, असम वैश्विक बाजारों के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन करेगा - जो भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा बदलाव है। बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ-साथ इस तरह के बड़े निवेश ने मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, अनिल अग्रवाल और आनंद महिंद्रा जैसे दिग्गज उद्योगपतियों को आकर्षित किया है, जिनके शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। ऐतिहासिक रूप से, पूर्वोत्तर भारत ने बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए संघर्ष किया है, जिसमें अधिकांश प्रमुख ऑटोमोबाइल और विनिर्माण केंद्र दक्षिणी और पश्चिमी भारत में केंद्रित हैं। हालांकि, एडवांटेज असम 2.0 में इस औद्योगिक मानचित्र को बदलने की क्षमता है। असम सरकार द्वारा दिए जाने वाले उदार प्रोत्साहन जापान और उससे आगे की ऑटोमोबाइल कंपनियों सहित प्रमुख निर्माताओं को इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के लिए आकर्षित कर सकते हैं। यह प्रतिमान बदलाव संतुलित औद्योगीकरण के युग की शुरुआत कर सकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पूर्वोत्तर भारत के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बन जाए। असम 2028 तक *मिलियन करोड़ की अर्थव्यवस्था* हासिल करने की राह पर है। राज्य की जीडीपी 2020-21 में 3.40 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 7.12 लाख करोड़ रुपए हो चुकी है और मौजूदा विकास दर के हिसाब से यह तय समय से पहले ही 10 लाख करोड़ रुपए को पार कर जाने का अनुमान है।

नॉर्थ-ईस्ट में 2,054...

वित्त निगम लिमिटेड, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक एनबीएफसी है, पूर्वोत्तर उद्यम विकास योजना (एनईईडीएस) के माध्यम से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने में पहली पीढ़ी के उद्यमियों को समर्थन दे रहा है। नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने तथा देश के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के इरादे से सरकार ने 16 जनवरी, 2016 को *स्टार्टअप इंडिया* पहल शुरू की। केंद्र सरकार संबंधित मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रमुख और अन्य योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के अनुसार, 10 प्रतिशत सामान्य बजट आवंटन (जीबीएस) के तहत, वित्त वर्ष 2014-15 से केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा 5.74 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय पांच योजनाएं भी क्रियान्वित कर रहा है, जिसके अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र की राज्य सरकारों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों द्वारा क्षेत्र में कार्यान्वयन के लिए विकास परियोजनाएं प्रस्तुत की जाती हैं। इस महीने की शुरुआत में, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा की। 15 जनवरी तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त 1.59 लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ, भारत ने स्वयं को दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में मजबूती से स्थापित कर लिया है। मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 से ज्यादा विभिन्न उद्योगों में 16.6 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष नौकरियां आईटी क्षेत्र (2,04,119) में पैदा हुईं, उसके बाद हेल्थकेयर और लाइफ साइंसेज (1,47,639) और पेशेवर और वाणिज्यिक सेवाओं (94,060) में।

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ...

यह लगातार ऊपर की ओर बढ़ने वाला प्रक्षेपवक्र उनके नेतृत्व और उनकी नीतियों के परिवर्तनकारी प्रभाव में बढ़ते सार्वजनिक विश्वास को दर्शाता है। इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक जैसे राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने कम संतुष्टि रेटिंग दर्ज की है, जिससे शर्मा के शासन को राष्ट्रीय नेतृत्व में एक बेंचमार्क के रूप में स्थापित किया गया है। बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण, आर्थिक विकास और कानून प्रवर्तन सुधारों पर उनके फोकस ने असम को एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में, असम ने स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कानून प्रवर्तन में महत्वपूर्ण प्रगति देखी है, जिससे प्रगति हुई है और नागरिकों के जीवन में सुधार हुआ है। एडवांटेज असम 2.0 के साथ, निवेश केंद्र के रूप में राज्य की बढ़ती प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है, जो असम के उभरते व्यापार परिदृश्य में रुचि रखने वाले निवेशकों के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है।

असम : एचएस फाइनल ...

में से 2,30,091 अभ्यर्थी कला वर्ग में, इसके बाद 57,724 अभ्यर्थी विज्ञान वर्ग में तथा 17,869 अभ्यर्थी वाणिज्य वर्ग की परीक्षा दे रहे हैं। तकनीकी अनुभाग (व्यावसायिक शिक्षा) के लिए 1,241 उम्मीदवार इस बार परीक्षा दे रहे हैं। पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र के 100 मीटर के दायरे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू की गई है। इसी प्रकार, शिक्षा बोर्ड के विशेष नियंत्रण कक्ष से सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। हर संवेदनशील परीक्षा केंद्र पर पुलिस और सीआरपीएफ बल तैनात किया गया है। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को परीक्षा हॉल के 100 मीटर के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं है। इतना ही नहीं, परीक्षा केंद्र से 200 मीटर तक कोई लाउडस्पीकर नहीं बजाया जा सकता है। यदि कोई परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के दायरे में लाउडस्पीकर पर संगीत बजाते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कानून सम्मत कार्रवाई की जाएगी। कोई भी व्यक्ति संबंधित प्राधिकारियों की अनुमति के बिना परीक्षा हॉल परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। परीक्षा हॉल परिसर में प्रवेश के लिए भी अनुमति लेनी होगी। इतना ही नहीं, किसी भी अभ्यर्थी को बिना अनुमति के परीक्षा हॉल में कोई भी सामान ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा हॉल में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मोबाइल फोन, स्मार्ट घड़ियां और कैलकुलेटर की अनुमति नहीं है। परीक्षा हॉल के बाहर अनाधिकृत पार्किंग भी प्रतिबंधित है।

पीएम मोदी ने अमेरिका ...

माता-पिता ने अपनी बेटी का नाम *तुलसी* रखा क्योंकि वे हिंदू धर्म से प्रभावित थे। गबार्ड अमेरिकी राजनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं और एक पूर्व सैन्य अधिकारी भी हैं। गबार्ड ने पहले डेमोक्रेट पार्टी से जुड़कर अमेरिकी संसद (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में सेवा की थी, लेकिन बाद में वह रिपब्लिकन पार्टी से जुड़ीं। उनकी राजनीतिक यात्रा ने उन्हें अमेरिका की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य और इंटेलिजेंस एजेंसियों के प्रमुख बनने का अवसर दिया। उनकी नियुक्ति के साथ ही वह अब अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसियों के समन्वयक और प्रमुख बन गई हैं, जो उनके कार्यकाल के लिए एक बड़ा कार्यभार है। पीएम मोदी ने इस महत्वपूर्ण बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर पोस्ट कर तुलसी गबार्ड को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। उन्होंने लिखा कि वाशिंगटन डीसी में अमेरिका की इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड से मिला। उन्हें नियुक्ति की बधाई दी। हमने भारत-अमेरिका मित्रता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसकी वह हमेशा एक मजबूत समर्थक रही हैं। भारत और अमेरिका के रिश्ते हमेशा से ही रणनीतिक रूप से मजबूत रहे हैं, और दोनों देशों के बीच संबंधों को नया आयाम देने में तुलसी गबार्ड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके साथ पीएम मोदी की बैठक इस बात का संकेत देती है कि भारत-अमेरिका साझेदारी को और भी मजबूत किया जाएगा, विशेष रूप से सुरक्षा और इंटेलिजेंस क्षेत्र में। तुलसी गबार्ड की निजी जिंदगी भी काफी दिलचस्प रही है। वह एक सशक्त महिला हैं और उनका राजनीतिक जीवन भी प्रेरणादायक है। उनकी पहली शादी एडर्डो टमायो से हुई थी, जो केवल 4 साल चली। इसके बाद, उन्होंने सिनेमैटोग्राफर अब्राहम विलियम्स से शादी की। गबार्ड की जिंदगी में भारतीय संस्कृति का गहरा प्रभाव है, और वह हमेशा से भारत-अमेरिका संबंधों की प्रबल समर्थक रही हैं।

मुख्यमंत्री ने गौरव गोगोई ...

सांसद ने 50 से 60 युवा भारतीयों को पाकिस्तानी अधिकारियों से मिलने के लिए प्रेरित किया। शर्मा के अनुसार कि उनके संसदीय प्रश्नों की गहन जांच से पता चला कि उनका ध्यान संवेदनशील रक्षा मामलों पर बढ़ रहा है, जिसमें तटरक्षक रडार प्रतिष्ठानों, भारत के हथियार कारखानों, वैमानिकी रक्षा, ईरान के साथ व्यापार के लिए पारगमन मार्ग, कश्मीरी छात्रों और चर्चों पर कथित हमलों के बारे में पूछताछ शामिल है - जो उनके रुचि के क्षेत्रों में एक उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाता है। शर्मा ने इन घटनाक्रमों को गोगोई की शादी से जोड़ते हुए कहा कि दिलचस्प बात यह है कि ये घटनाक्रम एक ब्रिटिश नागरिक से उनकी शादी के तुरंत बाद हुआ, जिसकी पेशेवर पृष्ठभूमि और भी सवाल उठाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी शादी से पहले, वह एक अमेरिकी सीनेटर के लिए काम करती थी, जिसके *पाकिस्तानी प्रतिष्ठान से घनिष्ठ संबंध* थे और बाद में पाकिस्तान में कुछ समय बिताया, एक ऐसे संगठन में काम किया कि जिसे व्यापक रूप से आईएसआई का मुखौटा माना जाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इन दावों को दोहराते हुए कहा कि गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार अली तौकीर शेख और आईएसआई के साथ संबंध उजागर हुए हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जिस संगठन के लिए वह काम करती हैं, उसे अरबपति जॉर्ज सोरोस द्वारा वित्त पोषित किया जाता है और उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से स्पष्टीकरण की मांग की।

भागवत की सभा ...

सभा स्थल के पास एक स्कूल है। हालांकि, एक सवाल यह भी है कि चूंकि सभा रविवार को होगी, इसलिए परीक्षा प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न होने का सवाल ही नहीं उठता। इस मामले की शुक्रवार को सुनवाई होने की उम्मीद है। भागवत इस समय बंगाल प्रवास पर हैं। इस दौरान उन्होंने आरएसएस के विभिन्न राज्य पदाधिकारियों से मुलाकात की और राज्य में संगठन के नेटवर्क का विस्तार करने के तरीकों पर चर्चा की। रविवार को बर्धमान में प्रस्तावित सभा मध्य बंगाल के जिलों पर ध्यान केंद्रित करने की कवायद का हिस्सा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह दौरा दो मामलों में बेहद महत्वपूर्ण है, जिनमें से पहला 2025 में होने वाला बंगाल विधानसभा चुनाव है। दूसरा, यह दौरा पड़ोसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर जारी उत्पीड़न की पृष्ठभूमि में हो रहा है, जिसका स्पष्ट असर बंगाल में महसूस किया जा रहा है, जिसकी बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है।

बजट सत्र : लोकसभा ...

इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बजट सत्र के पहले चरण की कार्यवाही संपन्न होने की घोषणा की। बिरला ने कहा कि बजट सत्र के प्रथम चरण का आखिरी दिन है। मुझे खुशी है कि अच्छे वातावरण में चर्चा हुई। सदस्यों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने बताया कि संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन में लगभग 17 घंटे 23 मिनट चर्चा हुई जिसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया। बिरला ने बताया कि केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा 16 घंटे 13 मिनट चली, जिसमें 170 सदस्यों ने सहभागिता निभाई। उन्होंने कहा कि आशा है कि आगे भी इसी तरह से सदस्यों का सहयोग मिलता रहेगा। बिरला ने कार्यवाही आगामी 10 मार्च को प्रात: 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले आज सुबह सदन की बैठक शुरू हुई तो कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने अदाणी समूह से संबंधित एक खबर को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के लगभग पांच मिनट बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

वित्त मंत्री ने लोस ...

किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस विधेयक का उद्देश्य 64 साल पुराने आयकर अधिनियम में बड़े पैमाने पर बदलाव करना है। नया आयकर विधेयक-2025 भारत की मौजूदा आयकर प्रणाली और वैधानिक प्रावधानों में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में लाया गया है, जो 21वीं सदी की प्रगति और आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को निरस्त करता है। दरअसल 622 पन्नों वाला यह विधयेक 6 दशक पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 की जगह लेगा। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री ने अपने केंद्रीय बजट-2025 के भाषण के दौरान घोषणा की थी कि संसद के बजट सत्र के दौरान एक नया आयकर विधेयक पेश किया जाएगा। प्रस्तावित कानून को आयकर अधिनियम-2025 कहा जाएगा और अप्रैल 2026 में प्रभावी होने की उम्मीद है।

वक्फ संशोधन विधेयक...

कर अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है और इस विधेयक को राज्यसभा में लाया गया है। उन्होंने कहा कि हम चाहते थे कि शांतिपूर्वक तरीके से इस समस्या का समाधान हो जाए लेकिन मौजूदा सरकार की नीयत ठीक नहीं है। सरकार देश के शांतिप्रिय मुसलमान को उकसाने की कोशिश में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि हम इस विधेयक का शांतिपूर्वक ढंग से सड़कों पर आकर विरोध करेंगे। विरोध करना हमारा संवैधानिक अधिकार है जिसे कोई भी सरकार रोक नहीं सकती है। मौलाना अरशद मदनी ने आगे कहा कि यूसीसी को उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू किया गया है जो की पूरी तरह से असंवैधानिक है। यूसीसी केंद्र का मामला है और इसे केंद्र सरकार के जरिए ही लागू किया जा सकता है। उत्तराखंड सरकार ने अपने अधिकारों का उल्लंघन किया है और अब गुजरात सरकार के जरिए भी यूसीसी लागू करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम इन सब मामलों को लेकर के अदालत का भी दरवाजा खटखटाएंगे और सड़कों पर आकर भी इसका जोरदार विरोध करेंगे।

कांगो में बर्बरता : जेल...

खनिज संपदा से भरपूर गोमा शहर पर कब्जा कर लिया था। यह शहर कांगो के रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। हिंसा के दौरान *सरकारी इमारतों, जेलों और अन्य सार्वजनिक परिसरों में आगजनी* की गई। कांगो इस समय गंभीर संकट से गुजर रहा है, और वहां की जनता भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है।

पीएम मोदी 24 ...

में भाजपा असम प्रदेश प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने बताया कि 24 फरवरी को गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में *झूमईर बिनंदिनी* नामक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 8,000 कलाकार मदाल की ताल पर झूमुर नृत्य प्रस्तुत करेंगे। चाय जनजाति के युवा इस आयोजन के लिए दिन-रात अभ्यास कर रहे हैं, जिससे उनकी कला को वैश्विक मंच पर पहचान मिल सके। इस पहल का उद्देश्य असम के चाय जनजाति समुदाय की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करना और उनकी कलात्मक धरोहर को विश्व मंच पर स्थापित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति से न केवल कलाकारों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि असम के लोगों का उत्साह भी दोगुना हो जाएगा। प्रधानमंत्री 24 फरवरी की दोपहर बाद असम पहुंचेंगे और इस भव्य समारोह में भाग लेंगे। इस सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से देश और दुनिया असम के चाय जनजाति समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और धरोहर को देखेगी। इस ऐतिहासिक पल का असम पूरे उत्साह से इंतजार कर रहा है। बयान में यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति से पार्टी कार्यकर्ताओं को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

दलाई लामा को ...

घंटे सुरक्षा देने वाले निजी सुरक्षा अधिकारी और शिफ्ट में काम करने वाले सशस्त्र कमांडो शामिल हैं। इसके अलावा, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित ड्राइवर और निगरानी कर्मी भी हर समय ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 35 ट्यूबवेल की तत्काल मरम्मत कर किसानों को सौंपे गए

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सिंचाई विभाग ने रानी चापोरी क्षेत्र के 35 ट्यूबवेल की मरम्मत पूरी कर किसानों को सौंप दिए। इससे क्षेत्र के किसानों की सिंचाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित हुआ है। सिंचाई विभाग ने आज एक बयान में बताया है कि गत 14 जनवरी को मुख्यमंत्री ने रानी चापोरी का दौरा किया था, जहां किसानों ने उन्हें कई ट्यूबवेलों के खराब होने की जानकारी दी। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने जलसिंचाई विभाग को जल्द से जल्द इन ट्यूबवेलों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। जांच में पता चला कि 35 ट्यूबवेलों में से 21 खराब स्थिति में थे। इनमें से 20 ट्यूबवेलों के कंट्रोलर, स्टार्टर और एमसीबी क्षतिग्रस्त थे, जबकि एक ट्यूबवेल की सौर पैनल प्रणाली उपभोक्ता द्वारा डिस्कनेक्ट की गई थी। विभाग ने सभी जरूरी मरम्मत कर सात फरवरी तक सभी ट्यूबवेलों को सुचारु रूप से चालू कर दिया।

ऑपरेशन प्रघात : एसटीएफ ने किए आतंकवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। ऑपरेशन प्रघात के तहत असम स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। देशभर में कट्टरपंथी नेटवर्क और ग्लोबल टेररिस्ट ऑर्गनाइजेशन (जीटीओ) के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान में असम एसटीएफ ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु पुलिस के सहयोग से 12 फरवरी की सुबह एक सटीक कार्रवाई करते हुए अबू सलाम अली को गिरफ्तार किया। वह असम के धुबड़ी जिले के बिलासीपारा थाना क्षेत्र के खुदीगांव पार्ट-दो का निवासी है। उसे चेन्नई के सेम्मेन्चेरी थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। इस संबंध में आज मीडिया को पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी)

और जमात-उल-मुजाहिदीन से जुड़ा सक्रिय सदस्य है। वह इससे पहले कोकराझाड़ और धुबड़ी से पकड़े गए आतंकियों के साथ जुड़ा हुआ था। 17 दिसंबर 2024 की रात से वह फरार था और लगातार पुलिस से बचने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इस सुनियोजित ऑपरेशन के तहत उसे धर दबोचा गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी नूर इस्लाम मंडल और शाहिनुर इस्लाम के साथ मिलकर वह एक साजिश में शामिल था। इनका मकसद देश की सुरक्षा को खतरे में डालना, शांति भंग करना और भारत की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाना था। इस गिरफ्तारी से असम एसटीएफ को कट्टरपंथी तत्वों के नेटवर्क को तोड़ने में एक और बड़ी सफलता मिली है। आरोपी के खिलाफ एसटीएफ पीएस केस नंबर 21/2024 के तहत बीएनएस की धाराओं 61(2)/147/148/149 और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धाराओं 10/13/16/18/18बी/20, पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 12(1)(डु), यूए(पी) अधिनियम की धारा 38/39, विस्फोटक अधिनियम की धारा 4/5, आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 और विदेशी अधिनियम की धारा 13/14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अभियान का नेतृत्व एसटीएफ डीएसपी सत्येंद्र सिंह हजारी ने किया, जबकि इसे आईजीपी एसटीएफ डॉ. पार्थसारथी महंत के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।

झुमईर बिनंदिनी कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की सांस्कृतिक मंत्री बिमल बोरा ने

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में 24 फरवरी को आयोजित होने वाले *झुमईर बिनंदिनी* कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा सांस्कृतिक मंत्री बिमल बोरा ने की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति प्रस्तावित है। असम के चाय जनजातीय समुदाय के पारंपरिक झुमर नृत्य को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस भव्य आयोजन की तैयारी हो रही है। लगभग 8,000 नृत्य कलाकार इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। मंत्री ने अधिकारियों के साथ स्टेडियम का दौरा कर सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। कार्यक्रम बनाए जा रहे विशेष मंच का भी निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में यह आयोजन असम की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देगा। झुमर नृत्य और इसकी परंपरा से विश्व को परिचित कराने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रयासरत है।

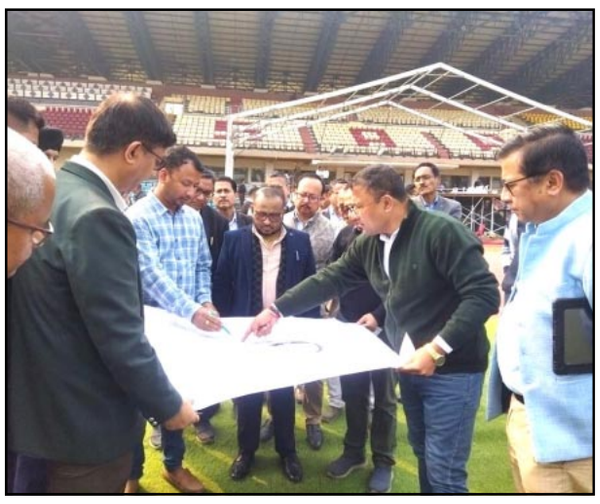

देश में असम को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार असम को देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में शामिल करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि हम निर्धारित समय में तीन प्रमुख परियोजनाओं-नुमलीगढ़ रिफाइनरी विस्तार, टाटा सेमिकंडक्टर परियोजना और नामरूप उर्वरक संयंत्र को पूरा कर लेते हैं, तो असम की आर्थिक प्रगति को नया बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं असम की आर्थिक नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राज्यपाल ने बसु डिमा महोत्सव में लिया हिस्सा

हाफलांग (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने अपने दो दिवसीय डिमा हासाओ दौरे के दौरान मंगलवार को माईबोंग डिग्री कॉलेज में आयोजित बसु डिमा महोत्सव में भाग लिया और सभी लोगों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि बसु डिमा महोत्सव केवल एक कृषि उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यह त्योहार सहयोग, परिश्रम और एकता जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कृषि हमारे समाज का आधार है और यह न केवल जीविका का साधन है, बल्कि हमारी विरासत की नींव भी है। बीज बोने से लेकर फसल कटाई तक, हर प्रक्रिया ने विशिष्ट परंपराओं और उत्सवों को जन्म दिया है, जिनमें से एक है बसु डिमा महोत्सव। राज्यपाल ने डिमासा समाज को इस महोत्सव के आयोजन के लिए सराहा और कहा कि इससे कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कृषि डिमा हासाओ, असम और पूरे भारत की आर्थिक समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर किसानों के योगदान को सम्मानित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि कृषि अब केवल पारंपरिक पेशा नहीं रह गया है, बल्कि नवाचार, आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से एक सशक्त और आत्मनिर्भर उद्योग बन चुका है। उन्होंने *विकसित भारत* के लक्ष्य में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानी शंभुधन फोंगलो को श्रद्धांजलि अर्पित की और माईबोंग डिग्री कॉलेज के संस्थापक एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद स्वर्गीय भादेश्वर बोड़ो, जिन्हें *बोड़ो सर* के नाम से जाना जाता है, को भी याद किया। राज्यपाल ने भादेश्वर बोड़ो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन भी किया। बाद में, राज्यपाल ने एनसीएचएसी के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें सीईएम देबोलाल गार्लोसा और अन्य कार्यकारी सदस्य उपस्थित रहे। उन्होंने पीएमएवाई-जी, जल जीवन मिशन, आयुष्मान कार्ड, अमृत सरोवर, टीबी मुक्त भारत अभियान आदि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों द्वारा जिले में अमृत सरोवर परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन की सराहना की।

अभाविप की एसईआईएल 2025 यात्रा के समापन समारोह में मंत्री पीयूष हजारिका शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर-पूर्व भारत और देश के अन्य हिस्सों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाने वाली अंतर्राज्यीय छात्र जीवन दर्शन (एसईआईएल) 2025 यात्रा का समापन समारोह आज गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में संपन्न हुआ। समारोह में असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका, अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ननी गोपाल महंत, अभाविप के राष्ट्रीय सचिव कमलेश सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। मंत्री पीयूष हजारिका ने यात्रा में शामिल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह यात्रा देश को और गहराई से समझने में सहायक होगी। डॉ. ननी गोपाल महंत ने भारत की परंपराओं और संस्कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस यात्रा के माध्यम से छात्रों को देश की समृद्ध विरासत को समझने का अवसर मिला। वहीं, आशीष चौहान ने एसईआईएल यात्रा के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए *विभिन्न भाषा, विभिन्न वेश, फिर भी हमारा एक देश* के नारे की महत्ता पर जोर दिया।

भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खेत्री थानांतर्गत इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाते हुए विदेशी सिगरेट की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान 15, 000 रुपए मूल्य के विदेशी सिगरेट जब्त किये गये। जब्त किए गए सिगरेट को कार के जरिए सिलचर से लाया गया था। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रूबल हुसैन बर्बिया और बहाउद्दीन लस्कर के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के सभागार में विदाई समारोह का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के सभागार में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह बोर्ड अध्यक्ष और वार्ड कमिश्नर के विदाई के मौके पर किया गया। इस समारोह में एग्जीक्यूटिव ऑफिसर चंद्र कमल बोरा ने पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र कुमार शर्मा, पूर्व वाईस चेयरमैन परेश चंद्र देबनाथ, वार्ड कमिश्नर चीनीराम दास, प्रनब शर्मा, प्रबीर सन्याय संजय ब्रह्म, पार्थो दे, नुरुद्दीन अहमद, अनिल कुमार दे, पूर्णिमा देबी, को फुलाम गमछा तथा विदाई स्मारक पत्र देकर उनहें सम्मानित किए गए। इस विदाई सम्मान समारोह में यहां फकीराग्राम म्यूनिसिपल बोर्ड के ब्यूरो बाबू बाबुल धर उपस्थित थे।

अब तक 305 घुसपैठियों को वापस बांग्लादेश भेजा गया

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी है। उन्होंने गुरुवार को अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पिछले सात महीनों में 305 घुसपैठियों को पकड़कर सीमा पार वापस भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएफ के साथ ही असम पुलिस के जवान भारत बांग्लादेश सीमा पर पूरी तरह तत्पर हैं। बांग्लादेश में शुरू हुई गड़बड़ी के बाद से लगातार बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। सीमा पर तैनात असम पुलिस के जवान इन घुसपैठियों को पड़कर लगातार वापस भेज रहे हैं। मुख्यमंत्री ने असम को घुसपैठ मुक्त बनाने के अपने संकल्प को दोहराया।

जेसीआई गुवाहाटी हुनर का लोटस एवं जोटस ट्रेनिंग सेमिनार आयोजित

गुवाहाटी। लोटस एवं जोटस का शुभारंभ जेसीआई इंडिया जोन 25 के निर्देशन में जेसीआई गुवाहाटी हुनर ने हाल ही में होटल विश्वरत्न में दो दिवसीय ट्रेनिंग सेमिनार के साथ किया। लोटस का उद्घाटन योगेश चांडक इंटरनेशनल पायलट फैकल्टी, मेंटर मनीष खाटूवाला, शीतल लोहिया, विजय अग्रवाल, जोन प्रेसिडेंट गुंजन हरलालका, जोन वाइस प्रेसिडेंट सुमित पोद्दार, होस्ट प्रेसिडेंट नेहा गुप्ता, जोन डायरेक्टर मैनेजमेंट पूजा जैन, जोन एडवाइजर अमित पाटनी, प्रोजेक्ट एडवाइजर निशांत पहाड़िया, पास्ट प्रेसिडेंट दीपक जैन, इमेडियेट पास्ट प्रेसिडेंट पारस सराफ, सेक्रेटरी रवि कुंडलिया, कोषाध्यक्ष अमित बाकलीवाल, प्रोजेक्ट कन्वेनर डॉ. प्रतिभा पसारी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। दूसरे दिन जोटस का शुभारंभ राष्ट्रीय प्रेसिडेंट अंकुर झुनझुनवाला एवं राष्ट्रीय वाइस प्रेसिडेंट शुभम अग्रवाल की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस मौके पर जेसीआई गुवाहाटी हुनर की अध्यक्ष नेहा गुप्ता ने अपना स्वागत भाषण दिया और आए हुए सभी अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया। इस कार्यक्रम को चार चांद लगाने में जोन एडवाइजर अमित पाटनी, पास्ट प्रेसिडेंट दीपक जैन एवं आईपीपी पारस सराफ का बहुत बड़ा योगदान रहा। सभी युवा पार्टिसिपेंट्स ने कंधे से कंधा मिलाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इन सभी की उपस्थिति ही सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर में हमारी परिषद् के साथीगण पूर्ण दायित्व के साथ कार्यशाला को सफल बनाने में अपनी कर्मठता का परिचय दिया। आगंतुक सभी युवा साथियों की मेजबानी में कोई कसर नहीं रहे। धन्यवाद ज्ञापन रवि कुंडलिया ने किया। इस आशय की जानकारी अंकुश जैन ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी।

महाकुंभ में आकर्षण का केंद्र बना नगालैंड टूरिज्म पवेलियन

नागालैंड सरकार की इस पहल से पूर्वोत्तर के हजारों श्रद्धालु हो रहे हैं लाभान्वित

गुवाहाटी। प्रयागराज में चल रहे दुनिया के सबसे बड़े महाकुंभ में नगालैंड का पवेलियन वहां पहुंचने वाले करोड़ों लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नगालैंड सरकार के अंतर्गत नगालैंड टूरिज्म की ओर से बनाए गए इस पवेलियन का लाभ नगालैंड के लोगों को ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वोत्तर वासियों को मिल रहा है, जो महाकुंभ में स्नान करने के लिए पहुंच रहे हैं। दरअसल प्रयागराज के सेक्टर 7 में नगालैंड सरकार की पहल पर एक विशाल पवेलियन बनाया गया है, जिसमें नगालैंड की कला, संस्कृति, खान-पान सहित राज्य के पर्यटन को बड़े ही सुंदर एवं व्यवस्थित तरीके से दर्शाया गया है। इतना ही नहीं नगालैंड सरकार ने अपने राज्य ही नहीं बल्कि समूचे पूर्वोत्तर वासियों

के लिए एक खास पहल करते हुए अपने पवेलियन परिसर में ही धनश्री नामक विशाल कॉटेज का निर्माण किया है, जिसमें 50 से अधिक कमरे है। इनमें नगालैंड ही नहीं बल्कि पूर्वोत्तर राज्यों से पहुंचने वाले भक्तों के ठहरने हेतु संपूर्ण व्यवस्था की गई है। पिछले 40 दिनों की बात करें तो महाकुंभ मेले में पूर्वोत्तर से गए हजारों की संख्या में भक्त धनश्री कॉटेज में ठहर चुके हैं एवं वहां दी जा रही सेवाओं को काफी सराहा जा रहा है। नगालैंड सरकार के आग्रह पर धनश्री कॉटेज का निर्माण गुवाहाटी के जाने माने पेनटेस्टरा इवेंट के पार्टनर अंशुल गोयल, विष्णु धुत व अनिल बजाज द्वारा करवाया गया है, जिसे किसी फाइव स्टार होटल के कमरे से काम नहीं आकी जा सकती। क्योंकि विश्व के सबसे बड़े मेले में इस तरह की व्यवस्था उपलब्ध करना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि की बात है। धनश्री कॉटेज प्री बुकिंग के आधार पर उपलब्ध है, जिसके लिए सुविधा अनुसार शुल्क रखा गया है। पूर्वोत्तर से जाने वाले भक्त वहां ठहर कर सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। नगालैंड का पवेलियन व धनश्री कॉटेज महाकुंभ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच न केवल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बल्कि अपने क्षेत्र के लोगों के लिए नगालैंड सरकार की और से की गई इस व्यवस्था की सभी जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। इसके पीछे नगालैंड सरकार व टूरिज्म विभाग का मुख्य उद्देश्य यह है कि महाकुंभ में देश-विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को पूर्वोत्तर के इस राज्य की कला संस्कृति से अवगत कराना है।

नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति के सभी विजयी उम्मीदवारों को मुख्य चुनाव अधिकारी ने दी बधाई

गुवाहाटी। नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति का चुनाव संपन्न होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी अखिल प्रकाश शर्मा ने आज सभी विजयी उम्मीदवारों और चुनाव में भाग लेनेवाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। साथ में सहयोगी चुनाव अधिकारी श्रीमती लीला राई और मदन क्षेत्री ने भी सभी को बधाई दी। मालूम हो कि नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति के चुनाव में अध्यक्ष के रूप में गंगाधर पौडेल, उपाध्यक्ष पद के लिए चन्द्र प्रसाद चापागाई और पिताम्बर शर्मा चुने गए हैं। वहीं उपाध्यक्ष महिला(आरक्षित) के लिए श्रीमती आशा देवी, कोषाध्यक्ष पद के लिए सागर उपाध्याय, सह सचिव केशव पाण्डे और गोविंद प्रसाद लम्साल चुने गए हैं। दूसरी ओर सह सचिव (महीला) के रूप में वसंती देवी चुनी गई हैं। यहां बता दें कि नेपाली मंदिर प्रबंधन समिति का कार्यकाल तीन साल का होता है। हर तीन वर्ष में निर्वाचन समिति का चुनाव कराया जाता है। उपरोक्त जानकारी चुनाव समिति के सदस्य सचिव विष्णु प्रसाद उपाध्याय की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी गई है।

अनमोल वचन

स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेना सबसे श्रेष्ठ और महानतम विजय होती है
प्लेटो

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

क्यों जरूरी हो गया है इनकम टैक्स कानूनों में बदलाव

नया इनकम टैक्स बिल 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में पेश कर दिया है। इसी के साथ सदन की कार्यवाही को आगामी 10 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही केंद्र सरकार इनकम टैक्स से जुड़े मौजूदा कानून में नए स्तर पर बदलाव करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गई। इनकम टैक्स बिल 2025 दरअसल इनकम टैक्स एक्ट-1961 में होने वाला एक बड़ा बदलाव है, जिस पर सभी की नजरें हैं। वैसे प्रतिवर्ष आम बजट के बाद इनकम टैक्स से जुड़े बदलावों को इनकम टैक्स एक्ट में शामिल कर दिया जाता है, परन्तु यह दशकों बाद हो रहा, जबकि इनकम टैक्स से जुड़े कानूनों में बदलाव की पहल सरकार द्वारा की गई है। नए इनकम टैक्स बिल की खासियत के बारे में बात करें तो कहा सकते हैं कि इसके जरिये इनकम टैक्स से जुड़े प्रावधानों की व्याख्या को सरल बनाया गया है। इसका उद्देश्य भी यही बताया गया है कि प्रावधानों की व्याख्या के कारण उत्पन्न होने वाली जटिलताओं और कानूनी मामलों को कम करना है। इनकम टैक्स बिल-2025 में इनकम टैक्स एक्ट-1961 की 823 पेज में की गई व्याख्या को खासा कम करते हुए 622 पेज में समेटा गया है। इसमें दोराय नहीं कि वर्तमान इनकम टैक्स कानून में ऐसे अनेक जटिल प्रावधान मौजूद हैं, जिन्हें आम करदाता तो क्या कई दफा तो विषय विशेषज्ञ सीएम और वकील भी इसे समझ नहीं पाते थे और इस कारण प्रावधानों की कई व्याख्याएं सामने आ जाती थीं और कानूनी मामले पैदा हो जाते थे। इनकम टैक्स बिल 2025 के प्रावधानों में इनकम टैक्स से जुड़े कानूनों को सरल बनाने के प्रयास किए गए हैं, ताकि आमकर दाता भी इसे आसानी से समझ सके। केंद्र सरकार ने देश में पारदर्शी, दक्ष और बिजनेस-फ्रेंडली वातावरण तैयार करने के उद्देश्य को लेकर नए इनकम टैक्स बिल 2025 को लाने का फैसला लिया है। यह बिल संसद में पेश होने के साथ ही इस पर चर्चा और विचार-विमर्श और संसदीय प्रक्रिया से गुजरने के बाद पुराने इनकम टैक्स कानून, 1961 की जगह लेने की स्थिति में आ जाएगा। मौजूदा इनकम टैक्स कानून बार-बार संशोधनों के कारण काफी पेचीदा हो चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सुधारों और कानून को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें सेक्शन की संख्या 819 से घटाकर 536 कर दी गई है। साथ ही अनावश्यक छूटों को समाप्त करने और कुल शब्द संख्या को 5 लाख से घटाकर 2.5 लाख करने का प्रस्ताव रखा गया है। भारतीय टैक्स नीति में एक बड़ा बदलाव 2017-18 में शुरू हुआ था, जब कई कटौतियों को समाप्त करते हुए कॉर्पोरेट टैक्स दरों को कम कर दिया गया। इस कदम ने प्रणाली को निष्पक्ष बना दिया, जिससे छोटे व्यवसायों को लाभ हुआ जो पहले जटिल टैक्स संरचनाओं से जूझ रहे थे। अनावश्यक टैक्स ईसेंटिव को समाप्त करके और एक सरल टैक्स स्ट्रक्चर की ओर बढ़ते हुए, सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी करदाता लूपहोल का उपयोग किए बिना अपना योगदान दे सकें। इससे भारत का टैक्स बेस जहां मजबूत होगा वहीं लंबे समय में आय स्थिरता में सुधार भी होगा। यह कानून भारत के टैक्स सिस्टम को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के करीब भी लाता है। नए इनकम टैक्स बिल 2025 की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें टेक्नोलॉजी से संचालित असेसमेंट पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जैसे-जैसे डिजिटल उपकरण अधिक उन्नत होते जा रहे हैं, टैक्स जांच और फाइलिंग स्वचालन और एआई-संचालित आकलन की ओर बढ़ा जा रहा है, जिससे टैक्स प्रशासन को अधिक कुशल बनाया जा सके और टैक्स चोरी को कम किया जा सके। अधिक स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए नए इनकम टैक्स बिल में व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए टैक्स प्रावधानों को समझाने के लिए तालिकाएं, उदाहरण और सूत्र भी शामिल किए गए हैं। टैक्स कानूनों को सरल बनाकर सरकार की कोशिश है कि बिजनेस अपना ध्यान वृद्धि पर लगाए, न कि टैक्स प्लानिंग पर। इससे उम्मीद जागी है कि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह बिल करदाताओं को एक पारदर्शी और आधुनिक टैक्स प्रणाली प्रदान करेगा, जिससे वे बिना किसी जटिलता के अपने टैक्स का भुगतान कर सकें। यह कदम भारत को एक निवेशक-अनुकूल देश बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। अंततः सकारात्मक सोच और बेहतर उम्मीद रखते हुए कहा जा सकता है कि सरकार का यह प्रयास न केवल करदाताओं की सहूलियत बढ़ाएगा बल्कि आर्थिक सुधारों को भी गति प्रदान करेगा।

चिंतन-मनन

भगवान की नज़र में हर इनसान बराबर है

इतिहास के पन्नों को उलट करके देखेंगे तो पाएंगे कि आज जितना ऊंच-नीच एवं अमीर-गरीब का भेद-भाव है वह वैदिक काल के आरंभ में नहीं था। उस समय सामाजिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कर्म के अनुसार वर्ग विभेद किया गया। लेकिन बाद में व्यवस्थाओं में जटिलता आती गयी और भेद-भाव बढ़ता गया। लेकिन यह भेद-भाव ऊपरी स्तर पर है। मूल में कहीं भेद-भाव नहीं है। मूल ईश्वर है और ऊपरी दुनिया वह है जहां हम मनुष्य और जीव-जन्तु विचरण करते हैं। भगवान की नज़र में सभी एक समान हैं। ईश्वर की दृष्टि में न तो जात-पात है और न लिंग भेद। श्री रामानंदाचार्य ने कहा है जात-पात पूछे न कोई। हरि को भजे सो हरि का होई। भगवान कभी किसी के साथ किसी आधार पर भेद-भाव नहीं करते हैं। केवट ने भगवान से प्रेम किया तो भगवान बिना किसी भेद-भाव के केवट की नैया में बैठे और केवट की जीवन नैया को पार लगा दिया। श्री राम के चरण रज को पीकर केवट परम पद पाने में सफल हुआ। भगवान की दृष्टि में सभी बराबर हैं इसका उदाहरण भक्त सबरी के जीवन की एक घटना है। सबरी भील जाति की एक महिला थी। राम की भक्ति इनके मन में ऐसी बसी की राम में ही खुद को अर्पित कर दिया। एक बार सबरी मार्ग में झाड़ू लगा रही थी उस समय साधुओं का एक समूह मार्ग से गुजरा। अनजाने में सबरी का स्पर्श साधुओं से हो गया। साधु इससे नाराज हुए कि एक भीलनी उससे स्पर्श कर गयी। भगवान को यह बात अच्छी नहीं लगी। साधुओं को जात-पात के भेद-भाव की नासमझी को दूर करने के लिए भगवान ने एक लीला की। साधुगण जिस सरोवर में स्नान करते थे। उस सरोवर में जैसे ही साधुओं ने प्रवेश किया सरोवर का जल दूषित हो गया। सरोवर के जल से बदबू आने लगी। साधुओं ने सरोवर के जल को शुद्ध करने के लिए कई हवन और यज्ञ किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। एक दिन सीता की खोज करते हुए भगवान राम जब सबरी की कुटिया में पधारे तब साधुओं को अपने ऊपर काफी ग्लानि हुई। उन्हें समझ में आ गया कि सबरी की भक्ति उनकी भक्ति भावना से बढ़कर है। सभी साधु सबरी की कुटिया में पधारे। भगवान राम के दर्शनों के पश्चात साधुओं ने राम से प्रार्थना की, कि सरोवर के जल को निर्मल करने का उपाय बताएं। भगवान राम ने साधुओं से कहा कि आप सबरी के पैरों को धोएं और उस जल को ले जाकर सरोवर में मिलाएं। इस उपाय को करने से सरोवर का जल निर्मल हो जाएगा। साधुओं ने ऐसा ही किया और सरोवर का जल सुगंधित और स्वच्छ हो गया।

दिल्ली में आपदा की विदाई और भाजपा आई

> दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए एक सशक्त प्रचार रणनीति अपनाई।

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की राजनीति में भाजपा की हालिया जीत और आम आदमी पार्टी की हार ने मौजूदा दौर में कई सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए एक सशक्त प्रचार रणनीति अपनाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैलियों में आप-दा ने दिल्ली का पैसा लूट लिया का बेहतर नरेटिव बनाकर भाजपा को प्रचार में आगे किया और केजरीवाल की रेवड़ी के नहले पर बड़ी रेवड़ी का दहला मारकर आप-दा पार्टी के कामकाज पर सवाल उठाए और दिल्ली की जनता से यह वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। मोदी और अमित शाह का प्रचार अभियान बड़े पैमाने पर था, जो स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ा हुआ था।

आप पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसने पिछले कुछ वर्षों में जिन विकास कार्यों को सबसे बड़ी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया था, वे अब जनता के लिए उतने प्रभावी नहीं रहे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी के मुद्दों पर भले ही आप ने दिल्ली के लोगों को आकर्षित किया हो लेकिन यह महसूस किया गया कि अब कुछ नया नहीं है। लोगों ने यह देखा कि आप की सरकार दिल्ली में कुछ बड़े मुद्दों को सुलझाने में विफल रही जैसे रोजगार, महिला सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण। इसके साथ ही यमुना की साफ़ सफाई नहीं हो सकी। आप पार्टी में आंतरिक कलह और नेतृत्व की कमी भी हार का एक बड़ा कारण बनकर सामने आई। पार्टी के भीतर लगातार आपसी विवाद और संगठन के भीतर असंतोष ने आम आदमी पार्टी की छवि को प्रभावित किया। रही सही कसर शराब घोटाले और उसकी टॉप लीडरशिप के जेल जाने ने पूरी कर दी।

अरविंद केजरीवाल का नेतृत्व इस बार उतना प्रभावी नहीं था, जितना पहले था। दिल्ली में भाजपा ने एक बड़ी रणनीति के तहत पूर्वांचल समुदाय के लोगों के वोट बैंक के साथ महिला वोट बैंक और कुछ झुग्गियों के वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में सफलता हासिल की।

भाजपा ने अपनी रैलियों में स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया और यह संदेश देने की कोशिश की कि केवल वे ही दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति काम आई, क्योंकि भाजपा ने हर वर्ग को आकर्षित करने के लिए अपनी विचारधारा को मजबूती से प्रस्तुत किया इसमें कोई संदेह नहीं है कि केजरीवाल को मात देने हेतु भारतीय जनता पार्टी और संघ ने पूरा दम लगाया। उसने धारणा के स्तर पर केजरीवाल की कट्टर ईमानदार की छवि भंग कर दी थी और माइक्रो मैनेजमेंट किया।

अरविंद केजरीवाल अन्ना की टोपी पहनकर ईमानदारी की राजनीति करके सत्ता में आए थे। दिल्ली की जनता उनसे संपूर्ण ईमानदारी की उम्मीद कर रहा था। तभी शराब नीति से जुड़े घोटाले में नाम आने और जांच शुरू होने के साथ ही अगर वे इस्तीफा देते तो यह उनका बड़ा मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता था लेकिन कुर्सी से चिपके रहना उन्होंने पसंद किया। वह जेल में रहकर दिल्ली की सत्ता में बने रहना चाहते थे जिसने लोगों के मन में उनके प्रति धारणा बदली। जेल से छूट गए तो खुद को सीएम के रूप में मतदाताओं के बीच प्रोजेक्ट करने लगे इससे सीएम की बनने की उनकी महत्वाकांक्षाएं फिर से जगी। जेल जाकर सीएम बने रहना उनको भारी पड़ गया और शराब घोटाले में उन पर गंभीर आरोप लगे जो प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और वह बेल पर हैं। केजरीवाल के जेल जाने से दिल्ली पूरी तरह से ठहर सी गई। अरविन्द ने पिछले वर्ष के बजट में महिलाओं को नकद पैसे देने की घोषणा की थी लेकिन इस साल फरवरी के चुनाव तक महिलाओं को कोई पैसा नहीं मिला। उल्टा ये देखा गया महिलाओं से जो फार्म भरवाए गए वो कूड़े के ढेर में पाए जाने के वीडियो खूब वायरल हो गए। मैंने दिल्ली के रामलीला मैदान में अन्ना आंदोलन के दौर को करीब से देखा था। तब समाज के हर तबके ने अन्ना के आंदोलन में प्रतिभाग किया था और अरविन्द की पार्टी आप ने भी समाज के हर तबके को अपनी फ्री की रेवड़ियों के द्वारा आकर्षित किया था लेकिन शराब घोटाले के बाद दिल्ली में हर वर्ग में उनको लेकरअसंतोष बढ़ने लगा है। खासकर उन लोगों को निराशा हुई जो केजरीवाल एक माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन की बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे थे। दो साल पहले एमसीडी में बहुमत के बाद भी दिल्ली की बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं दुरुस्त नहीं हो पाई। जगह- जग कूड़े के ढेर, सीवर की समस्याओं और बढ़ते प्रदूषण से लोग त्रस्त हो गए। उनके जेल में होने से पांच महीने तक सारे कामकाज ठप रहे। पार्टी ने जिस तरह से लोगों की बुनियादी को नजरअंदाज किया, उससे जनता में आप के खिलाफ बड़ी निराशा फैली। आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार, एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में उभरी है, जिसने न केवल दिल्ली की राजनीति को प्रभावित किया है बल्कि देशभर में इसके असर को महसूस किया जा रहा है। यह हार उस समय हुई जब पार्टी की उम्मीदें और राजनीतिक ताकत अपने उच्चतम बिंदु पर थी और एक महत्वपूर्ण चुनावी आधार पर खड़ी थी। दिल्ली में आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं होने से उनका कुछ वोट कांग्रेस के पास चला गया जिससे आप को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा। केजरीवाल ने अपने पुराने कई साथियों की टिकट काट दी और दूसरे दलों से आये उम्मीदवारों को पैसा लेकर जमकर टिकट बांटी जिसका उनको बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। जिन 27 नए लोगों को टिकट दी थी उनमें से 20 लोग चुनाव हार गए। केजरीवाल ने अपने 10 साल की सफलता का पैमाना मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, महिलाओं को मुफ्त बस मान लिया। उन्होंने दिल्ली के विकास से कोई सरोकार नहीं रखा और आये दिन केंद्र और उप राज्यपाल को निशाने पर लेते रहे जिसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। अरविंद केजरीवाल ने आज से ठीक 5 साल पहले एक जनसभा में कहा था मुझे 5 साल का समय दे दो। अगर 2025 में मैं यमुना साफ न कर पाऊं तो मुझे वोट मत देना। असल में यही दावा केजरीवाल पर भारी पड़ गया। रही सही कसर केजरीवाल के यमुना में जहर को लेकर केजरीवाल के बयान ने पूरी कर दी जब चुनावों से पहले उन्होंने कह डाला हरियाणा से यमुना नदी में जहर मिलाया जा सकता है।

वैलेंटाइन डे प्यार के उत्सव का नया बाजार

> वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरु थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती।

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड का हो गया है। आज जहाँ इजहार और इकरार करने के तौर तरीके बदल गए हैं वहीं इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। पहली बार शहरी चकाचौंध से इतर प्यार का यह उत्सव एक बड़ा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। आज युवा भी इसकी गिरफ्त में पूरी तरह से नजर आते है तभी तो शहरों से लेकर कस्बों तक वैलेंटाइन का जलवा देखते ही बनता है। आलम यह है ये बड़ा उत्सव बन चुका है जो भारतीयों में तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है। वैलेंटाइन के चकाचौंध पर अगर दृष्टि डालें तो इस सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह वैलेंटाइन अथवा वलेंतिनस नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते है लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्म गुरु थे। उन दिनों वहाँ पर क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

किम्वदंतियों की मानें तो संत वैलेंटाइन के क्लाउडियस के इस फैसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा वैलेंटाइन डे मनाते हैं। 1260 में संकलित की गई ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नामक पुस्तक में भी संत वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाईयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरमियान हो गई। यहाँ इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाईयों के प्रेम का प्रतीक माने जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंवदंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा फ्रॉम युवर वेलेनटाइन। आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि संत वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था तुम्हारा वेलेंटाइन। 14 फरवरी के बहाने जिसे बाद में इस संत के नाम पूरे विश्व में निःस्वार्थ प्रेम से मनाया जाने लगा। यही नहीं वैलेंटाइन के बारे में कुछ अन्य बातें भी है। इसके अनुसार तर्क यह दिए जाते हैं कि प्राचीन रोम के प्रसिद्ध पर्व ल्युपरकेलिया के ईसाईकरण की याद में मनाया जाता है। यह पर्व रोमन साम्राज्य के संस्थापक रोम्योलुयास और रीमस की याद में मनाया जाता है। इस आयोजन पर रोमन धर्मगुरु उस गुफा में एकत्रित होते थे जहाँ एक मादा भेड़ियों ने रोम्योलुयास और रीमस को पाला था इस भेड़िये को ल्युपा कहते थे और इसी के नाम पर उस त्यौहार का नाम ल्युपर केलिया पड़ गया। इस अवसर पर वहां बड़ा आयोजन होता था। लोग अपने घरों की सफाई करते थे, साथ ही अच्छी फसल की कामना के लिए बकरी की बलि देते थे। कहा जाता है प्राचीन समय में यह परम्परा खासी लोकप्रिय हो गई। एक अन्य किंदवती यह कहती है 14 फरवरी को फ्रांस में चिड़ियों के प्रजनन की शुरुआत मानी जाती थी जिस कारण खुशी में यह त्यौहार वहा प्रेम पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। प्रेम के तार रोम से भी सीधे जुड़े नजर आते हैं। वहाँ पर क्यूपिड को प्रेम की देवी के रूप में पूजा जाने लगा जबकि यूनान में इसको इरोस के नाम से जाना जाता था। प्राचीन वैलेंटाइन संदेश के बारे में भी लोगों में एकरूपता नजर नहीं आती। कुछ ने माना है कि यह इंग्लैंड के राजा ड्यूक ने लिखा जो आज भी वहां के म्यूजियम में रखा हुआ है। आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलके बिछाये बैठे रहते हैं। भईया प्रेम का इजहार जो करना है? वैलेंटाइन प्रेमी इसको प्यार का इजहार करने का दिन बताते है। यूँ तो प्यार करना कोई गुनाह नहीं है लेकिन जब प्यार किया ही है तो इजहार करने में देर नही होनी चाहिए लेकिन अभी का समय ऐसा है।

भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की हैं असाधारण उपलब्धियां

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 31 जनवरी 2025 को देश की राष्ट्रपति आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने लोक सभा एवं राज्य सभा के संयुक्त अधिवेशन को अपने सम्बोधन में, हाल ही के समय में, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा है कि भारत की विकास यात्रा के इस अमृतकाल को आज मेरी (केंद्र) सरकार अभूतपूर्व उपलब्धियों के माध्यम से नई ऊर्जा दे रही है। तीसरे कार्यकाल में तीन गुना तेज गति से काम हो रहा है। आज देश बड़े निर्णयों और नीतियों को असाधारण गति से लागू होते देख रहा है। और, इन निर्णयों में देश के गरीब, मध्यम वर्ग, युवा, महिलाओं, किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है। आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए उक्त भाषण में अंशों को जोड़कर इस लेख में यह बताने का प्रयास किया गया है कि किस प्रकार भारत में गरीब वर्ग, युवाओं, मातृशक्ति, किसानों, आदि के लिए विभिन्न योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। आज आम नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान के साथ साथ स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

समस्त परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार करते हुए तीन करोड़ अतिरिक्त परिवारों को नए घर देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 5 लाख 36 हजार करोड़ रुपए की राशि का खर्च किए जाने की योजना है। इसी प्रकार, गांव में गरीबों को उनकी आवासीय भूमि का हक देने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना के अंतर्गत अभी तक 2 करोड़ 25 लाख सम्पत्ति कार्ड जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 11 करोड़ किसानों को पिछले कुछ महीनों में 41,000 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। जनजातीय समाज के पांच करोड़ नागरिकों के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ हुआ है। इसके लिए अस्सी हजार करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। आज मध्यम वर्ग को मकान/फ्लैट खरीदने के लिए लोन पर सब्सिडी भी दी जा रही है एवं रेरा जैसा कानून बनाकर मध्यम वर्ग के स्वयं के मकान सम्बंधी सपने को सुरक्षा दी गई है। देश के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना चलाई जा रही है। अब इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा देने का निर्णय लिया गया है। इन वरिष्ठ नागरिकों को प्रत्येक वर्ष में पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा आज युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता देने के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना शुरू की गई है। एक करोड़ युवाओं को शीर्ष पांच सौ कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर भी दिये जाएंगे। पेपर लीक की घटनाओं को रोकने और भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नया कानून लागू किया गया है। सहकार से समृद्धि की भावना पर चलते हुए सरकार ने 'त्रिभुवन' सहकारी यूनिवर्सिटी की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। जब देश के विकास का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी मिलने लगता है तभी विकास सार्थक होता है। गरीब को गरिमापूर्ण जीवन मिलने से उसमें जो सशक्तिकरण का भाव पैदा होता है, वो गरीबी से लड़ने में उसकी मदद करता है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत बने 12 करोड़ शौचालय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निशुल्क दिए गए 10 करोड़ गैस कनेक्शन, 80 करोड़ जरूरतमंदों को राशन, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाओं ने गरीब को ये भरोसा दिया है कि वो सम्मान के साथ जी सकते हैं।

बच्चों को कैसी विरासत सौंप रहे, आप देखिए

संपन्न परिवारों में पले-बढ़े किशोरों-नौजवानों के बारे में हम अक्सर यही पढ़ते-सुनते हैं कि किसी ने मदहोशी के आलम में फुटपाथ पर सोए गरीबों के ऊपर अपनी गाड़ी दौड़ा डाली, तो दौलत के मद में डूबे किसी युवा के हाथ सरकारी मुलाजिम के गिरेबान तक पहुंच गए। इस तरह की खबरों ने धनाढ्य युवाओं की एक ऐसी छवि बना दी है, मानो वे सभी निर्मम, दुर्गुणों की खान हैं। समाज और मीडिया ने इनके लिए 'बिगड़े रईसजादे' या 'बिगड़ैल अमीरजादे' जैसे जुमले गढ़ लिए हैं। मगर नहीं! यह सच नहीं है। जस कालरा जैसे नौजवान इसके बड़े प्रमाण हैं। अमीर घरों के युवा भी करुणा, सेवाभावी होते हैं, बल्कि पूरी मानवता के प्रेरणा-पुंज बन सकते हैं। जस के पिता रवि कालरा तो इतने साधारण परिवार में पैदा हुए थे कि कभी-कभी उनके पास बस भाड़ा देने तक के पैसे नहीं होते थे। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक रवि शिक्षा के जरिये जब खुद को साबित नहीं कर पाए, तो उन्होंने ताइक्वांडो का प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसकी ट्रेनिंग देने को अपना करियर बना लिया। वह पुलिस बटालियन और सैन्य बलों को मार्शल आर्ट सिखाया करते थे। फिर ऐसा संयोग बना कि वह गुप्तचर उन्हें दुनिया के विभिन्न देशों में काम करने का मौका मिला और एक दिन अमेरिकी फौज ने उनके साथ एक ऐसा अनुबंध किया, जिसके तहत उन्हें युद्धग्रस्त देशों में अमेरिकी फौज के साथ काम करने के लिए, लोगों की भर्तियां करनी थीं। रवि ज्यादातर नेपाल की रॉयल आर्मी से स्वैच्छिक तौर पर सेवानिवृत्त होने वाले फौजियों की इसमें भर्तियां करने लगे। इस काम से उन्होंने काफी पैसे कमाए। दौलत इतनी बरसी कि वह जूते खरीदने मिलान (इटली), सिंगापुर, हांगकांग तक चले जाते थे। दिसंबर 2007 में रवि कालरा किसी काम से दिल्ली में कहीं जा रहे थे। उनकी महंगी कार एक लाल बत्ती पर रुकी। अचानक उनकी नजर एक दृश्य पर अटक गई। उस दृश्य में उन्होंने कचरे के ढेर से एक छोटे बच्चे और कुत्ते को साथ-साथ कुछ उठाकर खाते देखा। गरीबी और अमीरी के दो ध्रुवों को जी चुके रवि को झटका लगा- मेरी हैसियत क्या है? ऊपर जब जाऊंगा, तो क्या जवाब होगा मेरे पास? ड्राइवर को गाड़ी किनारे लगाने को बोल वह उस यतीम बच्चे के पास पहुंचे, उसकी फौरी मदद की और वहां से वह सीधे श्मशान घाट चले गए, चिता भस्म का तिलक लगाया और उसी दिन से अपने लिए जीना छोड़ दिया। चंद महीनों में ही 'द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन' वजूद में आ गया था इसने संपन्न परिवार की स्नेहिल छांव में पले-बढ़े। जस कालरा की जिंदगी में पिता रवि कालरा का वह कायांतरण बहुत सुखद मोड़ लेकर नहीं आया, क्योंकि मां को यह बदलाव मंजूर न था। वह जस और उनकी बहन जिया को लेकर घर से निकल गई थीं। जस का ननिहाल पक्ष भी समृद्ध कारोबारी घराना है। जाहिर है, बिछोह के उन दिनों में भी जस और उनकी बहन की अच्छी तालीम जारी रही। अच्छी बात यह भी हुई कि जस और जिया जब बड़े हुए, तो पिता से मिलने आने लगे, बल्कि उनके सेवा कार्यों में भी उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई। जस जब भी पिता के साथ आश्रम जाते, तो वहां रह रहे सैकड़ों बीमार, बेसहारा बुजुर्गों-महिलाओं-बच्चों की आंखों में उनके लिए प्रेम व कृतज्ञता देखकर अभिभूत हो उठते। उनके मन में उन्हीं दिनों यह बात कहीं गहरे पैठ गई कि आगे चलकर वह भी पिता के सेवा मार्ग को अपनाएंगे। मेलबर्न यूनिवर्सिटी से 'क्रिमिनोलॉजी ऐंड साइकोलॉजी' में स्नातक करने के बाद जस जब गुड़गांव लौटे, तो पिता ने एक दिन उनका मन टटोला। जस ने तत्काल आश्रम-सेवा से जुड़ने के बारे में सोचा नहीं था। 21 साल के युवा के आगे सारा संसार खुला होता है। फिर जस तो मेलबर्न में एक अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल लीग के सेंटर प्लेयर रह चुके थे। उन्होंने पिता से कहा, 'पापा, मेरी इतनी एजुकेशन हो चुकी है, मेरा बिजनेस एक्सपोजर भी इतना हो चुका है कि मैं सालाना 70-80 लाख कमा लूंगा। आप मुझसे शर्त लगा लो।' पिता खुश हुए और बोले, 'बेटे, यह तो बहुत अच्छी बात है, पर एक बात बताओ, ऊपर तो एक दिन सबको जाना है। जब आप जाओगे, तब भगवान जी को अपना बैंक स्टेटमेंट दिखाओगे या अपने कर्मों का हिसाब दोगे?' पिता की यह बात बेटे के भीतर उतर गई और अगस्त 2021 में नौजवान जस जिंदगी की सारी रंगीनियों का न्योता ठुकरा सेवा की दुनिया में उतर गए। अपने अंतरराष्ट्रीय पेशेवर उद्यम को संभालने के साथ-साथ जस ने 'द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन' के उपाध्यक्ष की हैसियत से गुड़गांव के बंधवाड़ी व मंडावर गांव स्थित आश्रमों में सेवा का काम शुरू कर दिया। पिता के साथ दीन-दुखियों की तिमारदारी करके उन्हें काफी सुकून मिलता। मगर अंदाजा न था कि पिता इतनी जल्दी अपनी सारी जिम्मेदारी उन्हें सौंप देंगे। दिसंबर 2021 की एक सुबह महज 53 साल की उम्र में वह इस दुनिया को अलविदा कह गए। जस के पास शोक मनाने का भी अवकाश न था, क्योंकि अगले दिन से ही संस्था के प्रेसिडेंट की हैसियत से सैकड़ों लोगों की सारी जिम्मेदारी उनकी थी। जस ने पिता की अपेक्षाओं को कभी मायूस नहीं किया। उन्हें निराश्रितों के घाव साफ करने या लावारिस लाशों की अंतिम क्रिया करने में कभी कोई हिचक नहीं हुई। पिछले ही महीने उम्र के 25वें साल में कदम रखने वाले जस कालरा ने अब तक करीब 3,000 शवों का सद्गति दी है, 1,500 परित्यक्त बुजुर्गों का उद्धार किया है। इनमें से कई को उनके परिवार ने दोबारा अपना लिया। जस के आश्रमों में लगभग 1,200 लावारिस बच्चे, परित्यक्त बुजुर्ग व मानसिक रूप से अक्षम लोग रह रहे हैं, जिनके हर सुख-दुख का वह ख्याल रखते हैं। ऐसे सहृदय, सेवाभावी नौजवान के लिए भला कौन दुआ नहीं करेगा?

खास बात

रोहिंग्याई बच्चों की शिक्षा की चिंता

इंसान को इंसान समझने और मानवता का पाठ पढ़ाने में भारत का दुनिया के अन्य देशों में कोई मुकाबला नहीं। भारत ही है जहां के कारागार भी सुधारगृह होते हैं, जो अपराध से तो घृणा करना सिखाते हैं, लेकिन अपराधी को सद्कर्मी बनाने पर भरोसा करते हैं। ऐसा ही सुप्रीम कोर्ट भी करने को कहता है। दरअसल रोहिंग्याओं के बच्चों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि रोहिंग्या शरणार्थी बच्चों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भेदभाव नहीं होना चाहिए। एक एनजीओ की याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि बिना आधार कार्ड या नागरिकता के भी इन बच्चों को स्कूलों में दाखिला मिलना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने राहत देने से पहले उनके निवास स्थान का प्रमाण मांगा है। इस प्रकार अदालत ने शिक्षा के अधिकार को भी प्रतिपादित कर दिया है, जिसे बिना भेद-भाव के सभी को समझना होगा।

अमानतुल्लाह को अब डर सताने लगा

आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। पुलिस उन्हें एक पुराने मामले में तलाश रही है, लेकिन अमानतुल्लाह का कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया जा रहा है। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है। इसे देखते हुए विरोधी कह रहे हैं कि जो पहले शेर की तरह दहाड़ रहे थे वो भी जेल जाने से डर गए हैं और बचाव में अदालत का दरवाजा खट-खटा रहे हैं। वैसे अमानतुल्लाह के राजनीतिक शुभचिंतक तो यही कह रहे हैं कि यह सियासी खुन्नस है, जिसे इस तरह से निकाला जा रहा है। बात जो भी हो, लेकिन कानून तो अपना काम करेगा ही।

ट्रंप और पुतिन की बातचीत

विश्व राजनीतिक पटल पर बदलाव का दौर जारी है, ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत कर संदेश दे दिया है कि युद्ध और नहीं चाहिए जो भी हो शांति से बातचीत करके हल निकाल लिया जाए। खास बात यह है कि ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी चर्चा की है। उन्होंने यूक्रेन को भी युद्ध रोकने और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई है। बातचीत में सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और तकनीकी क्षमताओं पर भी चर्चा हुई, जिसका खास अर्थ है। इससे हटकर जानकार तो यही कह रहे हैं कि यूक्रेन अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है, क्योंकि उसे न तो नाटो का सहयोग मिला और अब अमेरिका ने भी पल्ला झाड़ने जैसी बात कर दी है। अब वक्त आ गया है जबकि रूस और यूक्रेन मिलकर विचार करें कि उन्हें इस युद्ध से आखिर हासिल क्या हुआ।

ज्ञान शक्ति थिंक टैंक ने बांग्लादेश पर एक सेमिनार आयोजित की

जयपुर (हिंस)। सप्त शक्ति कमांड के ज्ञान शक्ति थिंक टैंक ने गुरुवार को बांग्लादेश पर एक सेमिनार आयोजित किया जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा की उभरती गतिशीलता और रणनीतिक साझेदारियों पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञों को एकत्र किया गया। डिफेंस पीआरओ कर्नल अमिताभ शर्मा के अनुसार सेमिनार की अध्यक्षता सप्त शक्ति कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने की। इस आयोजन में प्रमुख वक्ताओं के रूप में राजदूत पिनाक राजन चक्रवर्ती, आईएफएस (सेवानिवृत्त), राजदूत पंकज सरन, आईएफएस (सेवानिवृत्त) और राजदूत सतीश मेहता, आईएफएस (सेवानिवृत्त) शामिल थे, जिन्होंने भारत-बांग्लादेश संबंधों, उभरते भूराजनीतिक रुझानों और क्षेत्रीय स्थिरता पर अपना बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किया। सेमिनार में भारत और बांग्लादेश के बीच स्थिर और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक शांति और सुरक्षा पहलुओं, आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक रणनीतियों पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने समकालीन गतिशीलता को संबोधित करने के लिए रणनीतिक सहयोग के महत्व पर भी बल दिया। ज्ञान शक्ति थिंक टैंक राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय भू-राजनीति पर सूचित चर्चा को बढ़ावा देने, राष्ट्र निर्माण में वेटरन्स की भूमिका को सशक्त करने और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केजरीवाल ने पानी में जहर मिलाने की बात कह कर अपना नुकसान किया : नायब सैनी

हिसार (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि निकाय चुनाव के लिए भाजपा पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने दावा किया कि निकाय चुनाव में भाजपा परचम फहराएगी। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया कि उन्होंने पानी में जहर मिलाने की बात कह कर अपना ही नुकसान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को नारनौंद के भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वह सफीदों से भाजपा विधायक रामकुमार गौतम के भतीजे की शादी समारोह में उनको आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे थे। उसके बाद हांसी रोड पर स्थित बीजेपी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। भाजपा कार्यालय में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोग तो खुद जहर पीकर लोगों को अमृत पिलाते हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने झूठ बोलकर चुनाव जीतना चाहा लेकिन जनता ने उनको नकार दिया। कार्यकर्ताओं से निकाय चुनाव बारे चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक चुनाव हम दिल्ली में अभी जीते हैं और निकाय चुनाव के लिए हम तैयार हैं। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने अफवाह फैलाने का काम किया लेकिन उनके कोई काम नहीं आया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पानी में जहर मिलाने की बात कह कर अपना ही नुकसान किया है। केजरीवाल का जन्म भी हरियाणा से ही है। उन्होंने कहा कि नारनौंद में नगरपालिका के चुनाव में जो भी पार्टी का निर्णय हो उसको मानकर भाजपा कार्यकर्ता को जीताने का काम करें। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि कार्यकर्ता निकाय चुनाव में एकजुट होकर भाजपा प्रत्याशी को जीताने का काम करें। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भाजपा की नीतियों के कारण ही दिल्ली में भारी जीत मिली है और अब निकाय चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रत्याशी कमल खिलाने का काम करेंगे। प्रदेश में समान तरीके से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और युवाओं को मेरिट के आधार पर नौकरियां दी जा रही है। इस अवसर पर मंत्री रणबीर गंगवा, विधायक रामकुमार गौतम, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू डाटा, बिजेंद्र लोहान, मंडल अध्यक्ष कर्मपाल पेटवाड़, महाबीर खेड़ी, सोनू सैनी, संजय खर्ब, राजेंद्र लांबा, एडवोकेट दीपक लोहान, सुधीर पांचाल, अक्षय बाल्मीकि इत्यादि मौजूद रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में तीन हजार भर्तियां करेगी पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने प्रदेश के शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में तीन हजार भर्तियां करने का फैसला किया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक के बाद वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बताया कि पंजाब में 2000 पीटीआई टीचर भर्ती होंगे, जबकि सेहत विभाग में 822 पदों पर भर्ती होंगी। एनआरआई नागरिकों के मसलों को पहल के आधार पर हल करने के लिए 6 नई कोर्ट स्थापित की जाएगी। मंत्री चीमा ने बताया कि छठें वेतन आयोग का एरियर विभिन्न चरणों में 2028 तक दिया जाएगा। अगर इससे पहले बजट का प्रावधान हो जाता है, तो इसकी अदायगी पहले की जाएगी। उन्होंने बताया कि 24 व 25 फरवरी को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। जिसमें पेंडिंग बिल व अन्य बिल पास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गवर्नर ऑफिस में तीन पद, पंजाब राज्य कानूनी सेवाएं अथॉरिटी में 22 पद, युवक सेवाएं विभाग में तीन पद सृजित किए हैं। पंजाब में स्पोर्ट्स विभाग में स्पेशल 13 डॉक्टर भरने जा रहे हैं, जो कि स्पोर्ट्स इंजरी से जुड़ा काम देखेंगे। आबकारी व कर विभाग में 52 चालक पद भरे जाएंगे। सेहत विभाग में 822 पदों पर भरने जा रहे हैं। इन पदों में लैब टेक्निशियन के 119 पद, स्टाफ नर्स के 311, मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर के 112 पद, मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर मेल के 270 पदों पर भर्ती होंगी। दो हजार टीचर पीटीआई भर्ती होगी। मेडिकल व शिक्षा खोज क्षेत्र में स्पेशलिस्ट रेसिडेंट डॉक्टर के 97 पद भरने जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि विदेशों में रहने वाले पंजाब के एनआरआई नागरिकों के विवाद सुलझाने के लिए स्पेशल अदालतों का गठन किया है। पंजाब में छह अदालतें गठित करने को मंजूरी दी गई हैं, जो एडिशनल सेशन जज स्तर की होंगी। उनमें एनआरआई मामले सुने जाएंगे। उनके मामलों का निपटारा तेजी से होगा। चार एडिशनल सेशन जज व तीन जूनियर सब जज जूनियर अदालतें बना रहे हैं। 21 पद सब जज जूनियर डिवीजन व 40 पद सेशन अदालत के लिए रहेंगे। जालंधर, होशियारपुर, कपूरथला में एक-एक स्पेशल अदालत बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने पंचायतों के चौकीदारों का वेतन बढ़ाने का फैसला लिया। चौकीदारों को पहले 1250 रुपए मासिक दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर अब 1500 रुपए कर दिया गया है।

फैक्ट्री में हुआ धमाका चौदह लोग झुलसे

बांसवाड़ा (हिंस)। बांसवाड़ा के रीको इंडस्ट्रियल एरिया पीपलवा में गुरुवार दोपहर को एक पटाखा गोदाम में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद धमाके हुए, जिसमें 14 लोग बुरी तरह झुलस गए। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग लगने के बाद 2 बड़े धमाके हुए, जिससे आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। कोतवाली थाना प्रभारी देवीलाल मीणा के निर्देश पर जेसीबी की मदद से गोदाम की दीवार तोड़ी गई। हादसे के समय गोदाम में श्रमिक दंपती और 4 बच्चे थे, जिन्हें बिना किसी नुकसान के बचा लिया गया, लेकिन गोदाम के आसपास के लोग धमाकों की आवाज सुन आसपास इकट्ठा हो गए थे, जिससे धमाकों के बाद उठी चिंगारियों की चपेट में आने से 12 जने झुलस गए। सभी को तत्काल महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। झुलसे 14 जनों में से 2 के हाथ-पैर झुलस गए हैं। शेष मामूली झुलसने से खतरे से बाहर हैं। घटना की जानकारी मिलने पर एडीएम अभिषेक गोयल अस्पताल पहुंचे और घायलों के बारे में जानकारी ली। बाद में कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव और पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि कोई भी गंभीर जख्मी नहीं है। मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौजूद है।

सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन के लिए संबल

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की ओर से विवाह में अपव्यय को कम करने एवं सामूहिक विवाह के आयोजनों को प्रोत्साहित करने के लिए सार्थक पहल की गई है। इसके लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना 2021 संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से सामूहिक विवाहों को प्रोत्साहित करते हुए संबल प्रदान किया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक फरसाराम विश्नोई ने बताया कि इस योजना के तहत प्रति जोड़ा कुल 25 हजार रुपए की अनुदान राशि दिए जाने का प्रावधान है। इस योजना का एक उद्देश्य बाल विवाह रोकना भी है। इस योजनांतर्गत सामूहिक विवाह का तात्पर्य एक ही स्थान पर कम से कम 10 एवं अधिकतम 500 जोड़ों का विवाह करने से है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत अनुदान की इच्छुक संस्था की ओर से ऐसे आयोजन के कम से कम 15 दिवस पूर्व ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। इसके लिए राजस्थान संस्था अधिनियम, 1958 अथवा सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 (1860 का 21) के अंतर्गत अथवा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 12।। में अथवा राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 (1959 का 42) के अंतर्गत ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत संस्था की ओर से संस्था आधार नम्बर से राजस्थान सिंगल साइन ऑन आईडी एसएसओ पर जाकर आवेदन किया सकता है। इस योजना में वर एवं वधु में से किसी एक का राजस्थान राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है। इसके साक्ष्य संबंधित दस्तावेज लगाने होंगे। वर-वधू के आयु प्रमाण, पत्र, फोटो पहचान.-पत्र, वधू की खाता पासबुक, वधू के बैंक खाते से लिंक जनाधार कार्ड की फोटो प्रति आदि आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने जरूरी हैं। विवाह आयोजन के 60 दिवस के भीतर विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर संस्था को प्रति जोड़ा 4 हजार व प्रत्एक वधु को 21 हजार रुपए का अनुदान प्रदान किया जाता है। सामूहिक विवाह आयोजन में विभिन्न समाज, जाति, व धर्म के परिवार सम्मिलित होकर (अनेकता में एकता) की भावना को साकार कर कम से कम 25 जोड़ों के विवाह आयोजन करने जिसमें सर्व समाज/जाति/धर्म के कम से कम 5 जोड़ों का विवाह आयोजन उनके धार्मिक स्थल पर रीति रिवाजों के अनुसार करने के पश्चात सामूहिक विवाह स्थल पर विवाह आयोजन की किसी एक औपचारिकता पूर्ण करने पर विवाह आयोजक संस्था को सामूहिक विवाह आयोजन के लिए 10 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता राशि दिए जाने के प्रावधान है।

महाकुंभ से घरवापसी में मप्र के तीन तीर्थयात्रियों की सड़क हादसे में मौत

कोटा (राजस्थान) (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ से घरवापसी में मध्य प्रदेश के तीन तीर्थयात्रियों की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह हादसा दिल्ली-मुंबई आठ लेन एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह हुआ। श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार बस खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में पति-पत्नी सहित तीन तीर्थयात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य की हालत गंभीर है। घायलों को कोटा के एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिमलिया थाना एएसआई हरिराज सिंह के अनुसार, मंदसौर (मध्य प्रदेश) के रहने वाले श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौट रहे थे। हादसा कोटा के सिमलिया इलाके में कराड़िया के पास सुबह करीब साढ़े छह बजे हुआ। दुर्घटना में कैलाशी बाई (54) और उनके पति किशोरी लाल (60) और अशोक (35) की मौत हो गई। बस के केबिन में बैठे चमन लाल और पार्वती गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया।

महाकुंभ : सचिन पायलट ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभनगर (हिंस)। तीर्थराज प्रयाग के महाकुंभ में कांग्रेस नेता व राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुरुवार को संगम में आस्था की डुबकी लगाई है। इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री सहित भाजपा के अधिकांश विधायक महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोशल मीडिया पर महाकुंभ स्नान की अपनी फोटो शेयर की है। उन्होंने पोस्ट किया *आज श्रद्धा और आस्था के प्रतीक महाकुंभ में संगम में स्नान किया। इस पवित्र अवसर पर देश-प्रदेश की प्रगति एवं खुशहाली की कामना करता हूं।* इसके अलावा राजस्थान के राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष सहित कई प्रमुख पार्टियों के नेता प्रयागराज में जाकर महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ में इस बार काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। राजस्थान से भी श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है।

छात्रा से गंदा काम करनेवाले हेडमास्टर की हुई कुटाई, हंगामे के बाद भेजा गया जेल

नवादा (हिंस)। नवादा जिला के कादिरगंज सरकारी स्कूल के हेड मास्टर ने गुरुवार को घिनौनी हरकत करने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर मनचले हेड मास्टर को जमकर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। सरकारी स्कूल के हेड मास्टर ने अपनी स्कूली छात्रा पर अभद्र भाषाओं का इस्तेमाल किया और गलत हरकत भी की थी, जिसके कारण स्कूली छात्रा ने अपने परिजन को बताया। घटना की जानकारी मिलने पर आग की तरह कादिरगंज बाजार में फैल गई। हजारों लोग सरकारी स्कूल समीप पहुंचकर हंगामा किया। स्कूली छात्रा सहित कादिरगंज के लोगों ने हेड मास्टर को अविलंब गिरफ्तार कर पोस्को एक्ट में कारवाई करने की मांग की। कादिरगंज सरकारी स्कूल के हेडमास्टर द्वारा अपनी एक छात्रा से गलत हरकत किए जाने का खामियाजा भुगतना पड़ा है। न सिर्फ गुस्साए ग्रामीणो ने उनकी जमकर कुटाई कर दी। बल्कि पुलिस ने भी उन्हें जेल भेज दिया। इस मामले को लेकर पहले जहां ग्रामीणों ने सड़क पर उतर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं जब पुलिस आरोपी हेडमास्टर को पकड़कर ले जाने लगी, तो नागरिकों ने जमकर पिटाई कर दी। आरोपी प्रिसिंपल का नाम कृष्ण कुमार चौधरी बताया गया है। घटना कादिरगंज के सोनू बीघा क्षेत्र की है, जहां आक्रोशित ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक जमुई-नवादा मार्ग को जाम कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन जब वह प्रधानाध्यापक को हिरासत में लेकर जा रही थी, तब गुस्साए लोगों ने न केवल प्रधानाध्यापक की पिटाई कर दी बल्कि पुलिस की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पीड़ित छात्रा ने बताया कि उसके पेट में दर्द था और जब वह छुट्टी मांगने प्रधानाध्यापक के पास गई, तो उन्होंने उससे अनुचित मांग की। छात्रा ने इसकी जानकारी अपनी सीनियर छात्राओं को दी, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया।

शाहजहांपुर में ट्रक और टाटा मैजिक की टक्कर में चार की मौत, 16 घायल

घटना का मुख्यमंत्री योगी ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए निर्देश

शाहजहांपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद शाहजहांपुर में बीती देर रात कलान-बदायूं मार्ग पर ट्रक और टाटा मैजिक की आमने सामने हुई भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई और 16 घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को फर्रुखाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए राहत एवं बचाव कार्य के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं। जारी बयान में कहा है कि अधिकारी मौके पर पहुंच कर घायलों का समुचित इलाज कराएं। क्षेत्राधिकारी जलालाबाद अमित चौरसिया ने गुरुवार को बताया कि कलान थाना क्षेत्र में रात करीब ग्यारह बजे कलान-बदायूं मार्ग पर ग्राम बिचौला के पास ट्रक और टाटा मैजिक वाहन की टक्कर हो गई। ह दसे में टाटा मैजिक पर सवार चार लोगों की मृत्यु हो गयी और 16 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान जनपद हरदोई निवासी श्यामवती (60), जनपद खीरी निवासी रामकुमारी (35), जनपद सीतापुर निवासी शर्मीला (26) तथा लवकुश (30) के रूप में हुई है। जबकि सीतापुर निवासी रोशन(48), ठाकुर प्रसाद(35), संगम(32), अरुण(26), छोटी बिटिया(30), रजनेश(25), रेखा(25), संध्या(06), सूर्यांश(02), शिवानी(08), रामू(04), रितिका(05), जनपद खीरी निवासी उपेंद्र सिंह(40), गोलू(10) तथा हरदोई निवासी अरुण(20) और कमल किशोर (10) गंभीर रूप से घायल हैं। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि टाटा मैजिक पर सवार सभी लोग हरियाणा जा रहे थे। इसी बीच बदायूं की ओर से आ रहे अज्ञात ट्रक ने टाटा मैजिक वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टाटा मैजिक वाहन क्षतिग्रस्त होकर पलट गया। उन्होंने बताया कि घायलों की फर्रुखाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गयी है और पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है।

देवनानी से कानपुर के संत पीठाधीश्वर ने की मुलाकात

जयपुर(हिंस)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से कानपुर के श्री नित्येश्वर आश्रम (उदासीन) के संत श्री पीठाधीश्वर ने गुरुवार को विधान सभा में मुलाकात कर महाशिवरात्रि के मौके पर आयोजित होने वाले श्री नित्येश्वर महादेव के महारूद्राभिषेक और विशाल भंडारा का निमंत्रण दिया। देवनानी ने संत श्री पीठाधीश्वर को सनातनी परंपरा के महापर्व पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी को संत श्री पीठाधीश्वर ने श्री नित्येश्वर ज्ञान गंगा की प्रति भेंट की। देवनानी को बताया कि पुस्तक में सनातन परम्परा और आध्यात्म विषयों से संबंधित तपस्या, वैराग्य, साधना, परमात्मा, वास्तविक शांति, पूजा, भक्ति, अराधना, पाप, पुण्य सहित आस्था और विश्वास से संबंधित आमजन के सामान्य प्रश्नों का सरलता से जवाब दिया गया है।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने परिवार सहित संगम में किया पवित्र स्नान

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ 2025 के पावन अवसर पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने गुरुवार को अपने परिवार सहित संगम में पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। मुख्यमंत्री ने मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। स्नान के बाद मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, आज महाकुंभ, प्रयागराज में स्नान करने का सौभाग्य मिला। पवित्र जल, दिव्य ऊर्जा और आध्यात्मिक माहौल ने इसे अविस्मरणीय अनुभव बना दिया। उन्होंने आगे बताया कि महाकुंभ की आध्यात्मिक ऊर्जा और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को करीब से अनुभव करना उनके लिए विशेष रहा। मुख्यमंत्री डॉ. साहा ने बताया कि उन्होंने माँ गंगा से त्रिपुरा राज्य की सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि संगम का पवित्र स्नान जीवन को शुद्ध करता है और आत्मिक शांति प्रदान करता है।

19.73 करोड़ की राशि से बनने वाले अटल कला भवन के लिए प्रशासन ने चिन्हित किए दो स्थान, अंतिम मुहर लगना बाकी

अररिया (हिंस)। अररिया में अटल कला भवन के लिए राज्य सरकार ने 19 करोड़ 73 लाख 26 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की है। जिला प्रशासन ने भी अटल कला भवन निर्माण के लिए जगह चिन्हित करने का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल जिला प्रशासन की ओर से कला भवन के लिए दो स्थान का चयन किया गया है। टाऊन हॉल परिसर स्थित जमीन के साथ हरियाली मार्केट के पास कला भवन के लिए जमीन चयन की गई है, जिसमें से किसी एक स्थान पर विभागीय अधिकारियों की स्वीकृति के बाद भव्य अटल कला भवन का निर्माण किया जाएगा। राशि स्वीकृति और जिला प्रशासन की ओर से तेज कवायद के बाद स्थानीय कलाकारों में काफी हर्ष है और वे इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट कर रहे हैं। अररिया में अटल कला भवन निर्माण के लिए 19 करोड़ 73 लाख 26 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। मॉडल नक्शा पर आधारित 620 व्यक्तियों की क्षमता वाले अटल कला भवन का निर्माण 19 करोड़ 73 लाख 26 हजार रुपए की राशि से किया जायेगा। जिसकी स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा दे दी गई है। उल्लेखनीय हो कि प्रगति यात्रा के दौरान 22 जनवरी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अररिया में कला भवन निर्माण की घोषणा की थी। इससे पहले स्थानीय कलाकारों ने पटना में 12 सितंबर 2022 को सीएम के जनता दरबार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आवेदन देकर कलाकारों के कला के निखार को लेकर अररिया में कला भवन निर्माण की मांग को लेकर आवेदन दिया गया था। स्थानीय कलाकार धीरज पांडेय ने मुख्यमंत्री को बताया था कि कला भवन के अभाव में अररिया के कलाकार राष्ट्रीय क्षितिज पर अच्छा नहीं कर पा रहे हैं। कलाकारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसको लेकर अररिया में कला भवन का निर्माण अति आवश्यक है। कलाकारों के द्वारा किए गए मांग को ढाई साल के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अमलीजामा पहनाया और प्रगति यात्रा के दौरान घोषणा की बाद राशि का आवंटन भी कर दी। अररिया में अटल कला भवन निर्माण की घोषणा के बाद राशि की स्वीकृत होने से स्थानीय कलाकारों में इसको लेकर काफी उत्साह है। स्थानीय कलाकार धीरज पांडेय सहित अन्य कलाकारों ने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। अटल कला भवन निर्माण को लेकर डीएम अनिल कुमार ने कहा कि जिले में कला संवर्धन के लिए अटल कला भवन के लिए जमीन चिन्हित की जा रही है। दो स्थान पर जगह का चयन किया गया है। टाऊन हॉल परिसर के साथ हरियाली मार्केट के पास जमीन को चिन्हित किया गया है। जल्द हीं अररिया में कला भवन निर्माण भी शुरू कर दिया जाएगा।

सोने की कीमत में गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये से लेकर 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

शेवरॉन भारत में एक अरब डॉलर का नया इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित करेगा

नई दिल्ली। ऊर्जा क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी शेवरॉन ने भारत में एक अरब डॉलर का इंजीनियरिंग और नवोन्मेष केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। यह केंद्र दुनिया में शेवरॉन का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र होगा और उनके वैश्विक परियोजनाओं को समर्थन के लिए भारतीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी प्रतिभा का उपयोग करेगा। शेवरॉन के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि बेंगलुरु में शेवरॉन इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन एक्सीलेंस सेंटर (ईएनजीआईएनई) तेल और गैस उत्पादन से लेकर कार्बन भंडारण तक के क्षेत्र में काम करेगा। इस केंद्र का मुख्य लक्ष्य नवाचारिक प्रक्रियाओं को विकसित करना और ऊर्जा आपूर्ति के सुरक्षित और विश्वसनीयता बनाना है। इस केंद्र में 2025 तक 600 कर्मचारियों को नियुक्त किया जाएगा। शेवरॉन ईएनजीआईएनई की विस्तार की योजना द्वारा एक विविध और समावेशी कार्यबल तैयार किया जा रहा है जो की ऊर्जा मांगों को पूरा करेगा और कम कार्बन युक्त भविष्य का निर्माण करेगा। इस प्रमुख परियोजना द्वारा भारत को ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका मिलेगी और देश की ऊर्जा स्वायत्तता में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

आरबीआई बाजार में नया 50 रुपए का नोट जारी करेगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जल्द ही बाजार में एक नया 50 रुपए का नोट जारी करने का ऐलान किया है। इस नए नोट का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 50 रुपए के बैंक नोटों के समान होगा। नोट पर आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। मल्होत्रा ने दिसंबर 2024 में शक्तिकान्त दास की जगह गवर्नर का पद संभाला था। आरबीआई ने बताया कि पूर्व में जारी की गई 50 रुपए के सभी नोट अब भी मान्य होंगे। केंद्रीय बैंक के अनुसार देश में अब भी 2000 रुपये के नोटों की भरमार है। आरबीआई ने इन नोटों के लिए अपडेट जारी किया है और बताया कि 31 जनवरी, 2025 तक 98.15 फीसदी गुलाबी नोट वापस लेने में सफल रही है। क्लीन नोट पॉलिसी के तहत आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के नोटों को बंद करने का ऐलान किया था। इस नए नोट के जारी होने से लोगों के लिए नए स्वर्णिम रुपये के नोटों का स्वागत है।

गोवा निवेश संवर्धन बोर्ड ने 733 करोड़ के निवेश वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी

पणजी। गोवा निवेश संवर्धन बोर्ड (गोवा-आईपीबी) ने 733 करोड़ रुपये के नौ परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे राज्य में 2,319 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस ख़बर की पुष्टि की है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक में स्थानीय निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। अधिकारी ने बताया कि इन स्वीकृत परियोजनाओं में औषधि, गोदाम, मशीनरी, और पेय पदार्थों का विनिर्माण शामिल है। बोर्ड की बैठक में गोवा के उद्योग मंत्री भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए अधिक रोजगार सृजन की महत्वता को समझाया। इस निवेश से गोवा के अर्थव्यवस्था में सकारात्मक उछाल आने की उम्मीद है और मुख्यमंत्री ने इसे स्थानीय आम जनता की उत्थान की दृष्टि से भी महत्व दिया।

पेट्रोल-डीजल यूपी और बिहार में हुआ सस्ता

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी का असर गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में गुरुवार को देशभर में बदलाव दिख रहा है और ज्यादातर शहरों में तेल की कीमतों में नरमी दिख रही है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में आज भी तेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 14 पैसे चढ़ा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 10 पैसे की गिरावट के साथ 94.77 रुपये लीटर तो डीजल 12 पैसे टूटकर 87.89 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे गिरकर 105.41 रुपये और डीजल 16 पैसे नीचे आकर 92.26 रुपये लीटर हो गया है।

जापानी यामानासी प्रांत के उपराज्यपाल और योगी के बीच निवेश पर चर्चा

लखनऊ

जापान के यामानासी प्रांत के उप राज्यपाल को-ओसादा ने हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सीएम योगी और यामानासी प्रांत के उप राज्यपाल ओसादा के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं समेत चार बिंदुओं की चर्चा हुई। को-ओसादा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावना तलाशने जापान से करीब 250 सीईओ आएंगे। सुदृढ़ कानून व्यवस्था और सुशासन के बलबूते आर्थिक प्रगति पर तेजी से बढ़ रहे उत्तर प्रदेश में जापान का प्रतिनिधिमंडल निवेश की संभावनाओं को देखेगा। इससे उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार में भी काफी मदद मिलेगी। वे उत्तर प्रदेश के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

सीएम और उपराज्यपाल के मध्य हुई वार्ता में ग्रीन हाइड्रोजन पर विशेष रूप से चर्चा हुई। इसमें बताया गया कि ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर उत्तर प्रदेश और यामानासी प्रीफेक्चर के मध्य समझौता होगा और यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा। इसमें जापानी तकनीक का उपयोग होगा। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कराने पर भी चर्चा हुई, जिसमें दुनियाभर के हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी और इसके उपयोग में रुचि रखने वाले प्रतिनिधि भी उपस्थिति रहेंगे। हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी में यामानासी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के छात्रों को औद्योगिक प्रौद्योगिकी का अध्ययन करने का अवसर प्रदान करेगा। को-ओसादा ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन की दृष्टि से असीमित संभावनाओं वाला राज्य है। यहां बौद्ध धर्म से जुड़े पर्यटन स्थलों पर जापानी पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए बुद्धिस्ट सर्किट की भूमिका काफी अहम है। जापान से अधिकांश श्रद्धालु और आमजन बुद्धिस्ट सर्किट के अंतर्गत गौतम बुद्ध से जुड़ी जगहों (सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती आदि) पर आना चाहते हैं। यामानासी प्रांत के लोगों को बुद्धिस्ट सर्किट आने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

रिचफील्ड फाइनेंशियल हर शेयर पर दे रही 1 फ्री शेयर, 6 महीने में 90 फीसदी चढ़ चुका है स्टॉक का भाव

नई दिल्ली। फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर की अग्रणी कंपनी, रिचफील्ड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। कंपनी ने शेयरधारकों के लिए एक बहुत ही आकर्षक स्कीम का आयोजन किया है जिसमें हर 1 शेयर पर 1 मुफ्त शेयर दिया जाएगा। रिचफील्ड ने पिछले महीनों में अच्छे प्रदर्शन किए हैं और इस कार्यक्रम से शेयरधारकों को एक और अच्छे संतोषप्रद अनुभव की उम्मीद है। कंपनी के बाजार में स्थिरता और मार्केट कैप में वृद्धि के साथ, इस बोनस शेयर योजना से आंकड़े में और भी उछाल आने की संभावना है। इस लंबे समय तक चलने वाले शेयरधारकों के लिए यह एक शानदार मौका है जिसे वे नहीं भूलना चाहेंगे। बोनस शेयर प्राप्त करने के लिए वे अपने शेयरों को पहले से ही पोसेशन में रख सकते हैं। इस बोनस शेयर योजना से पहले ही जून 2024 में वित्तीय सहायता के रूप में डिविडेंड देने का फैसला लेने के साथ, रिचफील्ड फाइनेंशियल ने अपने निवेशकों का भरपूर समर्थन प्रदान किया है। अब इस नए हरकत से उन्हें और भी सुखद और सफलतापूर्ण मार्ग दिखाई देता है।

एसआईपी में लगातार दूसरे महीने 26,000 करोड़ से ज्यादा निवेश

मुंबई

जनवरी के महीने में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) इनफ्लो 26400 करोड़ रुपये रहा है। दिसंबर में एसआईपी इनफ्लो 26459 करोड़ रुपये के स्तर पर था। इस तरह जनवरी दूसरा महीना रहा जब एसआईपी के जरिए इनफ्लो 26,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। यह दिखाता है कि निवेशक अनुशासन के साथ लॉन्ग टर्म के नजरिए से शेयर बाजार में लगातार निवेश कर रहे हैं। सभी ओपन एंडेड म्यूचुअल फंड्स में जनवरी में 1.87 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है, जो कि दिसंबर में 80,509 करोड़ रुपये पर था।

सभी ओपन एंडेड म्यूचुअल फंड्स की कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट जनवरी में बढ़कर 66.98 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो कि दिसंबर के एयूएम 66.66 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 0.49 फीसदी ज्यादा है। म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या में भी इजाफा हुआ है और जनवरी में यह बढ़कर 22.91 करोड़ हो गई है, जो कि दिसंबर में 22.50 करोड़ थी। हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जनवरी में 39,687 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है। यह दिसंबर में आए 41,155.9 करोड़ रुपये के निवेश से 3.6 प्रतिशत कम है। जनवरी 2025 में लार्जकैप में 3,063.3 करोड़ रुपये का निवेश आया है। दिसंबर में 2,010.9 करोड़ रुपये रहा था। मिडकैप कैटेगरी में 5,147.8 करोड़ रुपये का इनफ्लो दर्ज किया गया है, जो कि दिसंबर में 5,093.2 करोड़ रुपये था।

गेल अमेरिका में ईगल फोर्ड शेल एसेट्स से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस उपयोगिता कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने अमेरिका में ईगल फोर्ड शेल एसेट्स से बाहर निकलने की योजना बनाई है। इस नई खोज के संदर्भ में, गेल अपनी 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए निविदा जारी कर रही है। गेल ने बताया कि अमेरिका की गैस की कम कीमतों के कारण, उन्हें वहां पैसा कमाने में मुश्किल हो रही है। इस उद्यम के मालिक के लिए यह लेनदेन एक चुनौती का रूप ले सकता है। गेल ने सितंबर 2011 में अमेरिका में अपनी पहली शेल गैस परिसंपत्ति का अधिग्रहण किया था। अब ईगल फोर्ड वर्तमान में आधे लाख बैरल तेल और लगभग 5,368 घन फुट गैस का उत्पादन कर रही है। विभागीय स्रोतों के अनुसार यह लेनदेन जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। इसके साथ ही, यह बड़ा कदम साबित हो सकता है जो गेल की उद्योग में नया मोड़ ला सकता है।

सेबी ने 7 लोगों को जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर नोटिस भेजा

सेबी ने पिछले साल 7 लोगों पर करीब 3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और इसका भुगतान नहीं करने पर अब डिमांड नोटिस भेजा है। शेयर बाजार से संबंधित कार्यक्रम पेश करने वाले प्रदीप बैजनाथ पांड्या और सात अन्य को पिछले साल जून में धोखाधड़ीपूर्ण व्यापारिक गतिविधियों के संबंध में लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर 2.83 करोड़ रुपये का मांग नोटिस भेजा है। पांड्या के अलावा तोशी ट्रेड, महान इन्वेस्टमेंट, मनीष वासनजी फुरिया (एचयूएफ), मनीष वासनजी फुरिया, अल्पा अल्पेश फुरिया, अल्पेश वासनजी फुरिया (एचयूएफ) और अल्पेश वासनजी फुरिया को भी जुर्माना भरने का नोटिस भेजा गया था। सेबी ने इन इकाइयों को 15 दिनों के भीतर ब्याज और वसूली लागत सहित 2.83 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है।

ईआईएल हाइड्रोकार्बन से परमाणु परियोजनाओं में प्रवेश करेगी

नई दिल्ली

भारतीय कंपनी इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र से बाहर निकलकर परमाणु परियोजनाओं में अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बनाई है। अपने व्यापक इंजीनियरिंग और परियोजना प्रबंधन क्षमताओं के साथ, ईआईएल अब परमाणु क्षेत्र में भी कदम रखने को तैयार है। कंपनी की चेयरमैन ने बताया कि ईआईएल छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर) बनाने की भी योजना बना रही है जो उन्हें नए बाजारों में व्यापार करने में मदद करेगा। ईआईएल का लक्ष्य है विदेश में अधिक कारोबार करना, खासकर पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में। उन्होंने बताया कि कंपनी अब और अधिक परमाणु परियोजनाओं में भाग लेने के लिए काम कर रही है और उच्च स्थायित्व वाले परमाणु रिएक्टरों का निर्माण करने की योजना है। इसके साथ ही वे एक नवीनतम प्रौद्योगिकी में इक्विटी निवेश की संभावना भी देख रहे हैं। ईआईएल का यह निर्णय उनकी प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने और उन्हें नए बाजारों में स्थापित करने में मदद करेगा। इससे कंपनी के ग्रोथ पॉटेंशियल को बढ़ाने में सहायता मिलेगी और भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देने में मदद मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,051.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर नैस्डेक ने 0.03 प्रतिशत कि मामूली तेजी के साथ 19,648.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,450.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.34 प्रतिशत उछल कर 8,807.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,042.19 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 110.20 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,143.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,591.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेटस टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत मिल कर 3,869.64 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,342.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.22 प्रतिशत उछल कर 23,341.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 323.72 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,181.64 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 494.02 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,457.72 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 1.05 प्रतिशत की छलांग लगा कर 2,575.04 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,293.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

राष्ट्रीय खेल : नेटबॉल मिश्रित श्रेणी में रोमांचक मुकाबले, छत्तीसगढ़ और असम ने दिखाया दमखम

देहरादून

यहां जारी 38वें राष्ट्रीय खेलों के नेटबॉल मिश्रित श्रेणी में टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना और समन्वय का परिचय दिया। पुरुष और महिला खिलाड़ियों से बनी इन मिश्रित टीमों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों को रोमांचित किया।

पूल ए: छत्तीसगढ़ और दिल्ली ने किया प्रभावशाली प्रदर्शन– पूल ए में छत्तीसगढ़ ने अपने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को 33–32 से कड़े मुकाबले में मात दी। इसके बाद, टीम ने पुडुचेरी पर 34–27 से शानदार जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी मजबूत कर ली। वहीं, दिल्ली ने भी पुडुचेरी को 37–17 से हराकर शानदार शुरुआत की, लेकिन हरियाणा के खिलाफ 30–39 से हार का सामना करना पड़ा।

पूल बी: असम की मजबूत पकड़, तेलंगाना की वापसी – पूल बी में उत्तराखंड ने कर्नाटक को 32–23 से हराकर बढ़त बनाई, जबकि असम ने तेलंगाना को 30–28 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हालांकि, तेलंगाना ने अगले मुकाबले में उत्तराखंड को 38–31 से हराते हुए जोरदार वापसी की। वहीं, असम ने कर्नाटक को 30–28 से मात देकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा।

टूर्नामेंट अंतिम चरण में, पदक की होड़ तेज – नेटबॉल प्रतियोगिता अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, जहां सभी टीमें स्वर्ण पदक जीतने के लक्ष्य के साथ अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। आने वाले मुकाबले रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां टीमें अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग में सुमित ढेकाले का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। चेन्नई सिंघम्स के कप्तान सुमित ढेकाले ने टेनिस बॉल से खेले जाने वाले 10–10 ओवर के इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) में शानदार प्रदर्शन किया है। इस टूर्नामेंट में कई उभरते खिलाड़ी उतरते हैं। सुमित के अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम को माझी मुंबई ने 24 रनों से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। मुंबई ने 10 ओवर्स में तीन विकेट पर 122 रन का विशाल स्कोर बनाया पर सिंघम्स 6 विकेट पर 98 रन ही बना सकी। अब क्वालीफायर–1 में मुंबई का सामना फाल्कन राइजर्स हैदराबाद से होगा। सुमित ने 0 मैच में सबसे अधिक 185 रन बनाये हैं। वह सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। 36 साल के सुमित के बारे में खास बात ये है कि उन्होंने पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, प्रवीण तांबे, स्वप्निल साल्वी, विक्रांत औटी और साईराज पाटिल जैसे खिलाड़ियों के साथ 2019 में मुंबई पैंथर्स के लिए टी–20 मुंबई में भी भाग लिया था।

2034 फीफा विश्व कप: सऊदी अरब में शराब पर प्रतिबंध, राजदूत ने की पुष्टि

लंदन। सऊदी अरब में 2034 फीफा विश्व कप के दौरान शराब की अनुमति नहीं दी जाएगी। ब्रिटेन में सऊदी राजदूत प्रिंस खालिद बिन बंदर अल सऊद ने बुधवार को इस बात की पुष्टि की। एलबीसी रेडियो स्टेशन को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब में कहीं भी शराब नहीं बेची जाएगी। यह फैसला 2022 कतर विश्व कप से अलग है, जहां विशेष प्रशंसक क्षेत्रों और पांच सितारा होटलों में ऊंची कीमतों पर शराब उपलब्ध थी। प्रिंस खालिद ने कहा, फिलहाल, हम शराब की अनुमति नहीं देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सऊदी अरब अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करते हुए विश्व कप की मेजबानी करेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हर किसी की अपनी संस्कृति होती है। हम अपनी संस्कृति की सीमाओं के भीतर लोगों को समायोजित करने के लिए तैयार हैं, लेकिन हम किसी और के लिए अपनी संस्कृति को बदलना नहीं चाहते। राजदूत ने यह भी स्पष्ट किया कि विश्व कप सिर्फ सऊदी अरब का नहीं, बल्कि एक वैश्विक आयोजन है। उन्होंने कहा, हम उन सभी का स्वागत करेंगे जो इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। सऊदी अरब में 2034 फीफा विश्व कप की मेजबानी को लेकर पहले ही चर्चाएं तेज हैं। यह आयोजन खेल के साथ-साथ सऊदी अरब की संस्कृति और परंपराओं को भी दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बुमराह की कमी खलेगी : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। कपिल ने कहा कि बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ी के नहीं होने से टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बुमराह पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। कपिल ने कहा कि बुमराह ने पिछले 2 साल में अपने अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम को काफी लाभ पहुंचाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बीच दुनिया के किसी अन्य तेज गेंदबाज ने उनसे बहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले, जहीर खान जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों का चोटिल हो जाना किसी भी टीम के लिए परेशानी का कारण बन सकत है। मैं उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद करता हूं। वहीं कपिल ने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुने जाने को सही बताया है। उन्होंने कहा कि उसके पास योग्यता है और वह अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। जब भी वरुण जैसे कोई गेंदबाज टीम से जुड़ता है तो टीम पर उसका प्रभाव होता है। उसके लिए सबसे अहम बात यह रहेगी कि विरोधी टीम के बल्लेबाज उसकी गेंद को समझने और उन्हें खेलने में कितना समय लगाते हैं। कपिल ने कहा कि पिछले एक या दो साल में उसने जबरदस्त प्रदर्शन किया है वह शानदार है। कपिल ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए मजबूर करना सही नहीं था।

राष्ट्रीय खेल टेबल टेनिस : युगल मुकाबलों में महाराष्ट्र और तमिलनाडु का दबदबा

देहरादून

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के टेबल टेनिस मुकाबलों में चौथे दिन जबरदस्त रोमांच देखने को मिला। महिला, पुरुष और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में महाराष्ट्र और तमिलनाडु के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

महिला युगल स्पर्धा:

महाराष्ट्र का स्वर्ण पदक पर कब्जा – सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष और दिया चिताले ने पश्चिम बंगाल की कौशानी नाथ और प्रसि सेन को 9–11, 7–11, 11–5, 12–10, 11–8 से हराया। दूसरी ओर, तमिलनाडु की नित्याश्री और काव्याश्री ने पश्चिम बंगाल की अयिहिका मुखर्जी और मौमा दास को 11–2, 8–11, 11–7, 11–13, 11–8 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष और दिया चितले ने जबरदस्त वापसी करते हुए तमिलनाडु की नित्याश्री मणि और काव्याश्री भास्कर को 6–11, 8–11, 11–9, 11–7, 11–6 से हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

पुरुष युगल: तमिलनाडु ने दोनों पदक जीते – सेमीफाइनल में तमिलनाडु के साथियन और अमलराज ने महाराष्ट्र के रेगन और सिद्धेश को 4–11, 11–7, 14–12, 11–9 से हराया। दूसरी ओर, अभिनंध और प्रेयश ने पश्चिम बंगाल के आकाश पाल और रोणित भांजा को 7–11, 12–10, 12–10, 11–8 से हराया।

फाइनल मुकाबला तमिलनाडु की दोनों जोड़ियों के बीच खेला गया, जिसमें साथियन ज्ञानशेखरन और अमलराज एंथनी ने अभिनंध पी.बी. और प्रेयश सुरेश राज को 8–11, 11–4, 5–11, 11–6, 11–7 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मिश्रित युगल: महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन – मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में महाराष्ट्र की दो जोड़ियों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें चिन्मय सोमैया और रीथ रिश्या ने रेगन अल्बुकर्क और स्वस्तिका घोष को 12–10, 11–6, 11–5 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल के अनिर्बान घोष और अयिहिका मुखर्जी ने महाराष्ट्र के जैश अमित मोदी और तनीषा संजय कोटेचा को 11–4, 11–9, 11–9 से हराया।

राष्ट्रीय खेल : अनंतजीत सिंह नरुका और गनेमत सेखों ने स्कीट फाइनल में जीता स्वर्ण

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के स्कीट फाइनल में राजस्थान के अनंतजीत सिंह नरुका और पंजाब की गनेमत सेखों ने शानदार खेल का परिचय दिया और पुरुष और महिला वर्गों में जीत हासिल की। नरुका ने 56 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता और गनेमत सेखों ने 53 अंकों के साथ महिला वर्ग में दबदबा बनाया।

पुरुष वर्ग: पुरुषों के स्कीट क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल में पहुंचे। राजस्थान के अनंतजीत सिंह ने 122 के प्रभावशाली स्कोर के साथ क्वालीफाई किया, उसके बाद तेलंगाना के मुनेक बद्दुला ने 120 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। मध्य प्रदेश के ऋतुराज सिंह बुंदेला ने 119 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि पंजाब के हरमेहर सिंह लाली (118), चंडीगढ़ के परमपाल सिंह गुरोन (117) और पंजाब के भवतेग सिंह गिल (116+4) ने फाइनलिस्ट की सूची पूरी की। पुरुषों के फाइनल मैच में चंडीगढ़ के परमपाल सिंह गुरोन ने खेल में कड़ी टक्कर दी और 51 अंकों के साथ रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक पंजाब के भवतेग सिंह गिल के खाते में गया, उन्होंने 42 अंकों के साथ पदक हासिल किया। महिला वर्ग: महिलाओं के क्वालिफिकेशन राउंड में 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें पंजाब की गनीमत सेखों ने 124 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश की अरीबा खान (114) और हरियाणा की रायजा ढिल्लों (115+4) उनके ठीक पीछे रहीं। राजस्थान की दर्शना राठौर (115+3), तेलंगाना की रश्मि राठौर (112+4) और मध्य प्रदेश की वंशिका तिवारी (116) ने शीर्ष छह में जगह बनाते हुए फाइनल में जगह बनाई।

प्रशंसकों को विराट के चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करने की उम्मीद

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं।। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से वह अपना खोया फार्म हासिल कर सकते हैं। इसका कारण है कि विराट आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा सफल रहे हैं और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। इसमें 2023 एकदिवसीय विश्वकप हो या 2024 टी20 विश्व कप सभी में उनका बल्ला जमकर चला। विराट ने 2008 में एकदिवसीय और 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद 2019 तक वह जमकर रन बनाते रहे। केवल 2020 में पहली बार उनका औसत 40 से कम हुआ। वहीं 2020 में कोहली 3 टेस्ट मैच में 19.33 के औसत से सिर्फ 74 रन बना सके। विराट ने इसके बाद 2021 में 28.21 के औसत से 536 रन बनाये। वहीं साल 2022 में 265 रन निकले। इसके बाद 2023 में कोहली ने वापसी करते हुए 55.91 के औसत से 671 रन बनाये पर इस साल की शुरुआत से ही वह लगातार विफल होते रहे हैं। इस साल वे 24.52 के औसत से सिर्फ 417 रन बना पाते हैं। इसमें अगर एक शतक को हटा दें तो उनका आंकड़ा और भी खराब नजर आयेगा। कोहली ने एकदिवसय मैचों में 2020 और 2021 में 40 से अधिक की औसत से रन बनाए। लेकिन 2022 का साल एकदिवसीय में भी कोहली के लिए बुरा साबित हुआ। इस साल वे 11 एकदिवसीय में 27.45.के औसत से सिर्फ 302 रन बना पाते हैं। विराट 2023 में अच्छी वापसी करते हुए टेस्ट और एकदिवसीय में भी जमकर रन बनाते हैं। इसी साल उन्होंने विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने 2023 में 27 एकदिवसीय मैचों में 72.47 की औसत से 1377 रन बनाए।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

ब्रिटेन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में एवरटन व लीवरपूल की टीमें खेलती हुईं।

भारत ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 142 रन से हराया, श्रृंखला 3–0 से की अपने नाम

अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 142 रनों के बड़े अंतर से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3–0 से अपने नाम कर ली। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 356 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.2 ओवर में 214 रन पर सिमट गई।

भारत की ओर से मिले 357 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम को शुरुआत तो अच्छी मिली, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने मैच पर जल्द ही पकड़ बना ली। फिल सॉल्ट और बेन डकेट के बीच 60 रन की शुरुआती साझेदारी हुई, मगर इसके बाद इंग्लैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए, जबकि जो रूट 24 रन ही जोड़ सके। भारतीय गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने 2–2 विकेट झटके, जबकि वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव को 1–1 सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए भारत को कप्तान रोहित शर्मा (एक रन) के रूप मे शुरुआत में ही पहला झटका लगा। फिर कोहली और गिल ने पारी को संभाला और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। कोहली 52 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयश अय्यर ने गिल के साथ मिलकर 104 रन जोड़कर टीम का स्कोर 226 तक पहुंचाय। तभी शतक लगाने वाले गिल 112 रन पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद हार्दिक पांड्या (17 रन), अक्षर पटेल 13 रन, वाशिंटन सुंदर 14 रन, हर्षित राणा 13 रन ने अय्यर का साथ दिया, जिससे टीम का स्कोर 356 तक पहुंच सका। अय्यर ने 78 रन की पारी खेली। इंग्लैड के लिए आदिल राशिद ने चार विकेट चटकाए। जबकि मार्क वुड को दो और शाकिब महमूद–गस अटकिंसन व जो रूट को एक–एक सफलता मिली।

भारतीय कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ियों को समर्थन देने पर दिया जोर

अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम ने बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 142 रनों की शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के शतक ने अहम भूमिका निभाई। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद गिल की जमकर तारीफ की और युवा खिलाड़ियों को निरंतर समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया।

गिल की शानदार वापसी

गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की खराब फॉर्म को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने तीन मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी उपयोगिता साबित की। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच पारियों में मात्र 93 रन बनाने वाले गिल ने अहमदाबाद में अपने शतक से आलोचकों को करारा जवाब दिया।

गंभीर ने गिल की प्रशंसा करते हुए कहा, वह अभी भी युवा बल्लेबाज है और उसमें सभी प्रारूपों में सफल होने की क्षमता है। टेस्ट क्रिकेट कठिन होता है, लेकिन उसने वहां भी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें हर पारी के बाद किसी युवा खिलाड़ी का मूल्यांकन करने की बजाय उन्हें निरंतर समर्थन देना चाहिए। अगर हम ऐसा करेंगे, तो भारतीय क्रिकेट का भविष्य बेहद उवल होगा।

श्रेयस अय्यर का मध्यक्रम में योगदान

श्रेयस अय्यर ने भी इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। विराट कोहली की अनुपस्थिति के कारण पहले मैच के लिए टीम में शामिल किए गए अय्यर को लेकर गंभीर ने स्पष्ट किया कि उन्हें पूरे दौरे में मौका दिया जाना तय था।

गंभीर ने कहा, श्रेयस को बेंच पर नहीं बैठाया जाना चाहिए था। हमने पहले मैच में यशस्वी जायसवाल को मौका देना चाहा क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया में बेहतरीन फॉर्म में थे। लेकिन हमें पता था कि श्रेयस मध्यक्रम में हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी साबित होंगे।

बुमराह की गैरमौजूदगी और गेंदबाजी आक्रमण

टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बड़ा झटका लगा जब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया। गंभीर ने कहा, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी की। बुमराह की कमी जरूर महसूस होगी, लेकिन मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज की मौजूदगी से टीम को फायदा होगा। किसी खिलाड़ी की अनुपस्थिति नए खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर हो सकती है।

वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने का फैसला

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

गंभीर ने इस फैसले के बारे में कहा, वरुण को टीम में शामिल करने की वजह बीच के ओवरों में विकेट निकालने का विकल्प मजबूत करना है। वह विरोधी टीमों के लिए 'एक्स-फैक्टर' साबित हो सकते हैं, खासकर उन टीमों के लिए जिन्होंने उनके खिलाफ ज्यादा नहीं खेला है।

भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में जुट गया है, जहां टीम को युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

च्यूंगम दूर कर सकती है मुंह के करोड़ों बैक्टीरिया

महज 10 मिनट च्यूंगम चबाकर आप मुंह के 10 करोड़ बैक्टीरिया हटा सकते हैं। एक हालिया शोध में च्यूंगम की इस खासियत को सामने लाया गया है। नीदरलैंड्स की यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंजन के शोधकर्ताओं ने पाया है कि च्यूंगम में बैक्टीरिया को ट्रैप करके उन्हें मुंह की कैविटी से हटाने की गजब की क्षमता होती है।

अपनों की तस्वीर से दूर होगा मोटापा

जिम, दौड़, तैराकी और डायटिंग। वजन घटाने के लिए आप क्या कुछ नहीं करते। अब अगर आपसे कहा जाए कि कमरे में सिर्फ अपने परिवार और दोस्तों की तस्वीर लगाने भर से आप अपने लक्ष्य को हासिल कर लेंगे तो यह बात आपको जरा हैरान करने वाली लगेगी। जी हां, एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि प्यार और परवाह की भावना पौष्टिक चीजें खाने को प्रेरित करती हैं।

अब तनाव को भी कम करेगा प्रोटीन

प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इससे न केवल बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है, बल्कि कई शारीरिक क्रियाएं भी संचालित होती हैं। अब ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने ऐसा नया प्रोटीन ढूंढ़ने का दावा किया है जो तनाव को कम करने में भी सक्षम है। तनाव के चलते शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में प्रभावी नए प्रोटीन को टीआरपीवी-1 का नाम दिया गया है।

एडिनॉइड हाइपरट्रॉफी से परेशान होने की जरूरत नहीं

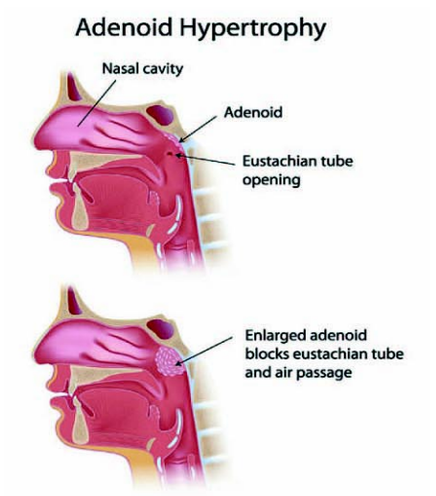

रोग के लक्षण

- नाक से सांस लेने में दिक्कत और मुंह खोलकर सांस लेना।
- बार-बार जुकाम होना।
- अक्सर कान में दर्द होना।
- कम सुनाई पड़ना।
- दांत टेढ़े-मेढ़े होना।

यह रोग अक्सर बच्चों को होता है, जिसे लेकर अभिभावक परेशान हो जाते हैं, लेकिन अब उन्हें चिंतित होने की जरूरत नहीं हैं...

क्या होते हैं एडिनॉइड: ये नाक के पिछले भाग में स्थित एक प्रकार के लिम्फॉइड टिश्यूज होते हैं। इन्हें सामान्य रूप से देखा नहीं जा सकता है। बच्चों में खासतौर पर 11 से 12 वर्ष की आयु तक इनका आकार तेजी से बढ़ता है। इसलिए यह रोग बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। वयस्कों में बहुत कम मामले ही सामने आते हैं।

उपचार: उपर्युक्त लक्षणों के प्रकट होने पर ई.एन.टी. सर्जन को तुरंत दिखाएं। दवाओं और ऑपरेशन से मरीज को पूर्ण आराम मिल जाता है। आजकल यह ऑपरेशन एंडोस्कोपिक विधि द्वारा किया जाता है। इस विधि में कोई चीरा या टांका नहीं लगता और यह पूरी तरह सुरक्षित है। ऑपरेशन के दूसरे-तीसरे दिन से ही बच्चा स्कूल जा सकता है।

प्याज का रस डायबिटीज पीड़ितों के लिए फायदेमंद

डायबिटीज पीड़ितों के लिए अच्छी खबर है। एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि दैनिक उपभोग की वस्तु प्याज के रस को डायबिटीज रोधी दवा मेटफॉर्मिन के साथ देने से इस बीमारी से ग्रसित लोगों के रक्त में शुगर की मात्र को कम किया जा सकता है। इससे शरीर में बढ़ रहे कोलेस्ट्रॉल की मात्र पर न केवल लगाम लगाया जा सकता है, बल्कि उसे कम भी किया जा सकता है। चूहे पर किए गए परीक्षण से यह बात सामने आई है। अबराका (नाइजीरिया) स्थित डेल्टा स्टेट विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एंथनी उजीह ने बताया कि फिलहाल वह ऐसा तरीका तलाशने में जुटे हैं जिससे प्याज के रस का इस्तेमाल मनुष्यों में ग्लूकोज की मात्र को कम करने में किया जा सके। शोधकर्ताओं ने पहले चूहों में कृत्रिम तरीके से शुगर की मात्र बढ़ा दी और फिर प्रति किलो वजन के हिसाब से 200, 400, 600 मिलीग्राम प्याज का रस मेटफॉर्मिन के साथ दिया। 400 और 600 मिलीग्राम की खुराक से रक्त में शुगर की मात्र में क्रमशः 50 और 35 फीसद तक की कमी दर्ज की गई।

पैरों में तकलीफ

लापरवाही ठीक नहीं

चलते समय अगर आपके पैरों में तकलीफ होती है, तो आपको परिधीय धमनी रोग (पेरिफेरल आर्टरी डिजीज संक्षेप में-पीएडी) हो सकता है। इस रोग को हल्के में लेना आपके लिए भारी पड़ सकता है। आइए जानते हैं-पीएडी से कैसे पाया जाए छुटकारा...

परिधीय धमनी रोग (पेरीफेरल आर्टरी डिजीज संक्षेप में-पीएडी) आम तौर पर पैरों और हाथों में होने वाली बीमारी है। इस बीमारी में पैरों और हाथों में रक्त संचार में बाधा पहुंचती है। इस कारण कई तरह की बीमारियां पैदा हो सकती हैं। इस रोग के लक्षण प्रभावित क्षेत्र और रक्त संचार में अवरोध के स्तर के अनुसार बदलते रहते हैं।

पैरों के रक्त संचार में कमी पीएडी रोग में पैरों में रक्त संचार की क्रिया सुचारु रूप से नहीं होती। इसके कारण पैरों के रक्त संचार में कमी आती है। अगर इस रोग का समय रहते समुचित इलाज नहीं किया गया, तो प्रभावित अंग को काटने की नौबत भी आ सकती है और गंभीर स्थिति में मरीज की मौत भी संभव है। शरीर के निचले अंगों की धमनियों में संकरापन या अवरोध होने की स्थिति में पेरिफेरल धमनी रोग उत्पन्न होते हैं।

एथेरोस्क्लीरोसिस नामक रोग होना इसका सबसे सामान्य कारण है। किशोरावस्था से ही एथेरोस्क्लीरोसिस पनपने लगता है। इसके बाद कुछ समय-आम तौर पर दशकों-तक यह बढ़ता रहता है। इस कारण रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है। अगर समय से इस रोग का उपचार नहीं किया जाए, तो यह पैरों में दिक्कत पैदा करता है और चलने-फिरने की क्षमता में कमी आती है। गंभीर स्थिति में यह रोग गैंगरीन में भी तब्दील हो सकता है।

जब इस तरह के अवरोध हृदय में होते हैं तो सीने में दर्द होता है, जिसे एंजाइना कहा जाता है और जब मस्तिष्क में ऐसा होता है, तो स्ट्रोक होता है। कारण पीएडी के कुछ जोखिम भरे कारकों में उम्र का बढना, धूम्रपान, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाइपर कोलेस्टेरोलेमिया (रक्त में कोलेस्टेरॉल की

अनियंत्रित मौजूदगी) जैसे कारण शामिल हैं। अगर परिवार के सदस्यों को पैरों की धमनियों में रुकावट की समस्या है, तो आपको पीएडी होने का खतरा अधिक है। जिन मरीजों के हृदय की धमनियों में अवरोध होते हैं, उनमें से लगभग 40 प्रतिशत मरीजों के पैरों की धमनियों में भी अवरोध होते हैं।

डायग्नोसिस

पीएडी का पता लगाने के लिए कई परीक्षण किए जा सकते हैं। एंकल ब्रैकियल इंडेक्स (एबीआई), अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन और एमआरआई जैसे अन्य परीक्षण भी किए जा सकते हैं।

रोकथाम

धूम्रपान करना, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाई कोलेस्टेरॉल आदि समस्याओं से ग्रस्त होना पीएडी के जोखिम को बढ़ा देता है। कोलेस्टेरॉल को नियंत्रित करने से पीएडी की बिगड़ती स्थिति को रोका जा सकता है। क्लाडीकेशन (नसों में ऐंठन आना, चलते समय दर्द होना और धमनियों में रक्त प्रवाह में रुकावट होना आदि समस्याएं) के लक्षणों को कम किया जा सकता है। धूम्रपान छोड़ने और मधुमेह और उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने पर क्लाडीकेशन के लक्षणों (जैसे दर्द) में सुधार हो सकता है।

क्लाडीकेशन के लक्षणों में सुधार करने के लिए कई दवाएं दी जा सकती हैं। व्यायाम कार्यक्रम क्लाडीकेशन के लक्षणों को कम कर सकता है। व्यायाम प्रशिक्षण के अंतर्गत हर सप्ताह कम से कम तीन बार ट्रेडमिल या किसी ट्रैक पर 45 से 60 मिनट तक चला जाता है।

इलाज

*तेज दर्द और बेचैनी वाले चुनिंदा रोगियों में, विशेषकर जिनमें उपचार असफल साबित हुआ हो, उनके लिए रीवैस्कुलराइजेशन प्रोसीजर्स लाभप्रद साबित हो सकते हैं। इस प्रोसीजर से हाथ व पैरों में रक्त प्रवाह में वृद्धि हो जाती है।

*आम तौर पर इन प्रक्रियाओं (प्रोसीजर्स) को दो सामान्य श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

*बैलून एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग जैसी 'कैथेटर आधारित' प्रक्रियाएं या सर्जरी।

रीवैस्कुलराइजेशन तकनीक का चयन आपकी शारीरिक संरचना, लक्षणों की गंभीरता, पूर्व में किये गए इलाज और आपका समग्र स्वास्थ्य जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*बैलून एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग जैसी कैथेटर आधारित तकनीकें काफी विकसित हुई हैं। इन तकनीकों के जरिए मरीज को अगले दिन घर भेज दिया जाता है।

कहीं बीमार न कर दे कंप्यूटर

कंप्यूटर व लैपटॉप युवाओं की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। इंटरनेट के कारण युवा चौबीस घंटे इन उपकरणों से जुड़े रहते हैं, जो उनमें कई तरह की शारीरिक व मानसिक समस्याओं की वजह बन रहा है।

मेंटल सेचुरेशन और स्मरणशक्ति पर प्रभाव: मनुष्य के दिमाग की कार्यशैली का आवश्यक अंग है उसका आराम करना। इंसानी मस्तिष्क को हर 45 मिनट में एक छोटे से ब्रेक की जरूरत होती है, इस दौरान तब तक एकत्र की गई जानकारी प्रोसेस होकर स्मरणशक्ति में बदल जाती है। कंप्यूटर जैसे उपकरणों का लगातार इस्तेमाल हमारी इसी कार्यप्रणाली पर चोट करता है, जिससे कमजोर स्मरणशक्ति व अल्जाइमर जैसी समस्याएं सामने आती हैं। मानसिक रोगों की पहचान के लिए किया जाने वाला डीएसएम फाइव सिस्टम भी कंप्यूटर और इन्टरनेट के इस्तेमाल को लत की तरह ही परिभाषित करता है। कंप्यूटर पर हेडफोन के साथ देर तक काम करने से हर समय लगता है कि कानों में कुछ गूंज रहा है। नींद आने में भी परेशानी होती है।

बड़ी उम्र के लक्षणों का कम उम्र में दिखना: कंप्यूटर और लैपटॉप के ज्यादा इस्तेमाल से उम्र का असर जल्दी दिखने लगता है। व्यक्ति उम्र से बड़ा दिखता है। शारीरिक सक्रियता घट जाती है और आलस बढ़ता है, जिसका नतीजा जोड़ों व कंधों के दर्द के रूप में सामने आता है।

आंखों को नुकसान: कंप्यूटर और लैपटॉप की स्क्रीन से लगातार सॉफ्ट रेडियेशन किरणें निकलती रहती हैं, जिनका आंखों पर बुरा असर पड़ता है। हमारी आंखों के बाहरी हिस्से पर पानी जैसा एक द्रव्य पाया जाता है, जिससे हमारा दृश्य साफ होता है। इसकी कमी से दृष्टि दोष व आंखों में दर्द व खारिश जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इससे बचने के लिए आंखों को आराम देना होता है, जो पलकों के झपकने से उन्हें मिलता है। लेकिन कंप्यूटर स्क्रीन का इस्तेमाल करते समय हम अक्सर पलकों को झपकाना भूल जाते हैं। इन रेडिएशन किरणों से व्यक्ति को दूर दृष्टि दोष होने की आशंका बढ़ जाती है।

कंधों व जोड़ों का दर्द: यदि आप अधिक देर तक कंप्यूटर पर काम करते हैं तो जरूरी है कि पॉस्चर को सही रखें। सही तरीके से न बैठने से जहां जोड़ों, कमर व कंधों के दर्द की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, वहीं रीढ़ की हड्डी को भी नुकसान पहुंचता है।

कारपेल टन सिंड्रोम: युवाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। देर तक कंप्यूटर पर टाइप करने से उंगलियां सुन्न पड़ जाती हैं। कलाई व बाजू के हिस्सों में सूजन व दर्द होता है। इसका प्रमुख कारण एक ही गतिविधि का बिना ब्रेक दोहराव करना है।

कुछ सुझाव

- कंप्यूटर पर काम करते समय पॉस्चर सही रखें। बैठते समय पंजे जमीन पर होने चाहिए। सीट, हाथों और बाजुओं के बीच कोहनी 90 डिग्री के कोण पर रखें।
- लगातार ज्यादा देर तक कंप्यूटर पर बैठने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में चहलकदमी अवश्य करें।
- लेट कर लैपटॉप चलाने और गोद में रख कर चलाने से पूरी तरह बचें।
- एंटी ग्लेयर चश्मे का इस्तेमाल करें।
- काम करते समय बीच-बीच में आंखों को ब्रेक दें। लम्बे समय तक बैठना है तो हर एक घंटे के बाद 2 मिनट के लिए आंखें बंद कर लें। मस्तिष्क को भी आराम मिलेगा।
- समय का विभाजन करना सीखें। अपने परिवार को भी पूर्ण समय दें।

नजरिया हो प्रोफेशनल...

एंट्रेंस एग्जाम और इंटरव्यू में सफल होकर आपने मनपसंद नौकरी हासिल कर ली। अब अपने हुनर और कौशल को प्रदर्शित करने की बारी है। दरअसल पहली नौकरी एक ऐसा आधार है, जो करियर की नींव रखती है। साथ ही यह जीवन का एक नया फेज है, जिसमें आप छात्र जीवन से निकल कर पेशेवर दुनिया में कदम रखते हैं। इस बदलाव के समय में जरूरी है कि आप सजग, सहज और सबल रहें। आइए जानते हैं नौकरी मिल जाने के बाद ऑफिस में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

समय की पाबंदी जरूरी

सबसे अहम है समय की पाबंदी। इस बात का खास ध्यान रखें कि आप ऑफिस कभी देरी से न पहुंचें। नौकरी ज्वाइन करने के बाद नए कर्मचारियों पर एचआर और बॉस की विशेष नजर रहती है, इसलिए इस बात का ध्यान रहे कि ऑफिस पहुंचने में देर न हो। भले ही तय समय से कुछ पहले ऑफिस पहुंच जाएं। कॉलेज में पहला पीरियड निकल जाने के बाद पहुंचना चल जाता था, लेकिन ऑफिस में यह रवैया नहीं चल सकता।

माहौल के हिसाब से रहें

हर ऑफिस का अपना अलग अंदाज और माहौल होता है, अलग संस्कृति होती है। नौकरी मिलने के बाद सबसे पहले आप अपने ऑफिस के तौर-तरीके सीखें। वहां के माहौल का अध्ययन करें और उसके अनुसार ही अपना व्यवहार रखें। दूसरों के काम में ताक-झांक न करें और अपने काम से मतलब रखें।

खुद सीखना होगा

आपको इस बात का अंदाजा होगा कि करियर में सफलता के लिए प्रोफेशनल नजरिया रखना कितना जरूरी है। लेकिन प्रोफेशनलिज्म का मतलब होता क्या है? शायद ही कोई शिक्षण संस्थान प्रोफेशनलिज्म सिखाता है। यह आपको खुद सीखना होगा। दूसरों को देख कर, उनके संपर्कमें आकर। प्रोफेशनल नजरिया रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी संस्था के सांस्कृतिक मापदंडों को समझें और उनका अनुसरण करें। अपने सहकर्मियों के साथ विनम्रता से पेश आएं। जिन्हें नहीं पसंद करते, उनके साथ भी विनम्र रहें। आपके साथ अच्छा व्यवहार न करने वाले लोगों के साथ भी विनम्रता से ही पेश आएं। इससे आप कहीं ज्यादा पेशेवर दिखेंगे।

जिम्मेदारी से करें काम

आप अपना काम जिम्मेदारी के साथ और प्रोफेशनली करें, इसके लिए जरूरी है कि आपको अपने काम की समझ हो। कई बार उत्साह में फ्रेशर्स कुछ का कुछ कर बैठते हैं, इसलिए पहले अपने बॉस के साथ बैठ कर अपना काम अच्छी तरह समझ लें। कहीं शंका हो तो उसे भी दूर करें। यदि कुछ नया करना चाहते हैं तो अपने आइडियाज बॉस के साथ शेयर करें।

ज्यादा छुट्टियां न लें

कॉलेज में आपने खूब क्लास बंक की होंगी, पर अब आपको अपनी यह आदत बदलनी होगी। बॉस और एचआर ऐसे कर्मियों को बिल्कुल पसंद नहीं करते, जो बार-बार छुट्टियां लेते हैं। इस तरह आप उनकी गुड-बुक में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। इसलिए जब तक जरूरी न हो, अतिरिक्त छुट्टियां न लें।

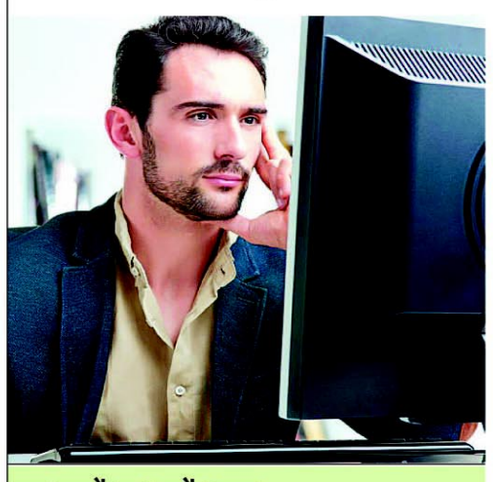

इन बातों का रखें ध्यान

- दफ्तर में ऊंची आवाज में बात न करें।
- अहंकार न पालें, इससे ऑफिस का माहौल नकारात्मक होता है।
- दफ्तर के समय में फोन पर कम से कम निजी बातें करें। फोन की आवाज भी धीमी रखें। फोन साइलेंट मोड पर भी रख सकते हैं।
- आपके व्यवहार में भी ऐसी खूबियां दिखनी चाहिए, जो कंपनी की ग्रोथ में मददगार हों।
- आपके हाव-भाव में यह दिखना चाहिए कि आप अच्छे श्रोता हैं।
- बॉस की बातें सुन कर उनके विचारों को अमल में लाने की कोशिश करें।
- कंपनी की बेहतरी के लिए कुछ योजनाएं हों तो वे भी शेयर करें।
- ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मियों का सम्मान करें, खासकर महिलाओं के साथ अपना आचरण मर्यादित रखें।
- अपने पद की गरिमा बनाए रखें।

मेहनती होने का परिचय दें

फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन ये कहावत तो आपने सुनी होगी। यह बात सौ फीसदी सच है। नौकरी के शुरुआती दिनों में आपकी जैसी छवि बनती है, उसी के आधार पर लोग आपके काम का आकलन करते हैं। हालांकि अपनी छवि को बदला भी जा सकता है, लेकिन तब इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए आप हर तरह से अच्छे और मेहनती होने का परिचय दें। आपके हाव-भाव और पहनावे से एक पेशेवर की झलक आनी चाहिए।

रेसिपी

निजामी तरकारी बिरयानी

सामग्री

720 ग्राम बासमती चावल, 200 ग्राम ब्लैंच की हुई गाजर, 200 ग्राम ब्लैंच की हुई फ्रेंच बींस, 200 ग्राम ब्लैंच की हुई हरी मटर, 200 ग्राम उबली हुई फूलगोभी के छोटे फूल, 10 ग्राम शाही जीरा, 30 ग्राम मक्खन, 500 ग्राम कच्चा प्याज, 2 हरी मिर्च,2 टी स्पून अदरक कटा हुआ, 20 ग्राम अदरक-लहसुन पेस्ट, 400 ग्राम फेंटा हुआ दही, 40 ग्राम कटी हुई हरी धनिया, 2 टेबल स्पून पुदीना,1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 नीबू का रस, 2 टी स्पून इलायची पाउडर, गुलाब जल और केसर मिश्रण, 2 टी स्पून गरम मसाला, 25 ग्राम साबुत काजू

विधि

चावल को धोकर आधे घंटे के लिए भिगो दें। फिर पानी निकालकर धीमी आंच पर पका लें। एक फ्रांइंग पैन में तेल-मक्खन डालकर गर्म करें। शाही जीरा डालकर धीमी आंच पर चटकाएं। ब्लैंच की हुई सब्जियां डालकर 1 मिनट तक धीमी आंच पर भूनें। हरी मिर्च, अदरक और लहसुन का पेस्ट डालकर 15 सेकंड तक मध्यम आंच पर भूनें। ध्यान रहे मिश्रण तले पर चिपकने न पाए। फेंटा हुआ दही और भूरा किया हुआ प्याज, धनिया, पुदीना, नमक और लाल मिर्च पाउडर व नीबू का रस मिलाएं। एक मिनट तक धीमी आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। फिर पके हुए चावल डालें। ऊपर से केवड़ा पानी, केसर मिश्रण, इलायची पाउडर, धनिया, गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं और देसी घी उड़ेलें। आंच धीमी करके ढक्कन लगाकर 1-2 मिनट तक पकाएं। सर्विंग प्लेट पर सावधानीपूर्वक डालें ताकि बिरयानी की परत खराब न हो। ऊपर से पुदीना-धनिया व सुनहरे किए हुए प्याज डालकर सर्व करें।

गुड़ की खीर

सामग्री

दूध 1 लीटर, 50 ग्राम चुनकर धोया हुआ चावल, 150 ग्राम कूटा हुआ गुड़, 4 कुटी हुई छोटी इलायची, 10-12 भीगे और कसे हुए बादाम, थोड़ा सा केसर।

विधि

दूध को एक उबाल दें। बीच-बीच में चलाती रहें ताकि जलने न पाएं। जब दूध में उबाल आ जाए तब चावल डालें और दोबारा एक उबाल आने दें। फिर, धीमी आंच पर कुछ देर तक पकाएं। इसी दौरान, दूसरे बर्नर पर धीमी आंच पर आधा कप पानी में गुड़ घोलें। एक उबाल दें और 2-3 मिनट तक पकाएं। ठंडा करें और छान लें। चावल जब अच्छी तरह पक जाए और दूध गाढ़ा हो जाए तब इलायची डालकर एक मिनट और पकाएं। आंच से उतारकर ठंडा करें। फिर इसमें गुड़ मिश्रण मिलाएं और सर्विंग डिश पर पलट दें। केसर और बादाम से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**